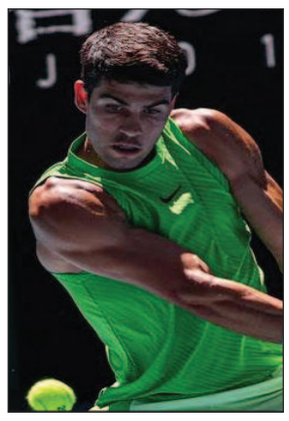

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः कार्लोस अल्काराज ने एले जेंडर ज्वेरेव को पेज: 7

मनोरंजन जगत में श्रिया सरन के 25 साल पूरे, साझा किए पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 291 | शनिवार 31 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मनरेगा के नए कानून पर कांग्रेस का हल्ला बोल, मोदी सरकार के खिलाफ छेड़ा संग्राम

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, सांसद जयराम रमेश और दिल्ली अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के खिलाफ 'एमजीएनआरईगा बचाओ संग्राम' विरोध प्रदर्शन किया। संसद ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम पारित किया, जो भारत की प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना है। पवन खेड़ा ने कहा कि जो सरकार मजदूरों और किसानों का अपमान करती है, वह ज्यादा दिन नहीं टिकती। खेड़ा ने पत्रकारों से कहा कि सभी राज्यों की राजधानियों में ऐसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहे हैं। एनआरईजीए को बचाना मतलब मजदूरों की आवाज को बचाना है।

आरटीआई अधिनियम की 'हत्या' की तैयारी? आर्थिक सर्वेक्षण पर भड़के खड़गे, मोदी सरकार से पूछा तीखा सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की "पुनर्विचार" की मांग को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार भारत के सबसे शक्तिशाली पारदर्शिता कानूनों में से एक को व्यवस्थित रूप से कमजोर कर रही है। उन्होंने एक पोस्ट में पूछा कि आर्थिक सर्वेक्षण में आरटीआई अधिनियम की 'पुनर्विचार' की मांग की गई है... एमजीएनआरईजीए को खत्म करने के बाद, क्या अब आरटीआई की हत्या की बारी है? 2014 से चली आ रही आरटीआई की स्थिति में लगातार गिरावट को गिनाते हुए खरगे ने कहा कि 2025 तक 26,000 से अधिक आरटीआई मामले लंबित

थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 में किए गए संशोधनों ने केंद्र सरकार को सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन को नियंत्रित करने की अनुमति दी, जिससे उनकी स्वतंत्रता कमजोर हुई। खरगे ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की भी आलोचना करते हुए दावा किया कि इसने आरटीआई अधिनियम के जनहित खंड को कमजोर कर दिया है और सरकार को गोपनीयता को जांच से बचने के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने आगे बताया कि दिसंबर 2025 तक केंद्रीय सूचना आयोग बिना मुख्य सूचना आयुक्त के कार्य कर रहा था, जो पिछले 11 वर्षों में सातवीं बार ऐसा पद खाली था। खर्गे ने 2014 से अब तक 100 से अधिक आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्याओं का भी जिक्र किया और भाजपा पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान पारित व्हिसलब्लोअर्स

संशोधनों ने केंद्र सरकार को सूचना आयुक्तों के कार्यकाल

एमजीएनआरईजीए को खत्म करने के बाद, क्या अब आरटीआई की हत्या की बारी है? 2014 से चली आ रही आरटीआई की स्थिति में लगातार गिरावट को गिनाते हुए खरगे ने कहा कि 2025 तक 26,000 से अधिक आरटीआई मामले लंबित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 में किए गए संशोधनों ने केंद्र सरकार को सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन को नियंत्रित करने की

प्रोटेक्शन एक्ट, 2014 को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। हालांकि, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में कहा गया है कि आरटीआई अधिनियम की भावना को कमजोर करने के लिए नहीं, बल्कि इसे वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाने के लिए इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता हो सकती है। इसमें सुझाव दिया गया है कि निर्णय अंतिम रूप दिए जाने तक विचार-विमर्श नोट्स और मसौदा पत्रों को छूट दी जाए, गोपनीय सेवा अभिलेखों को "अनौपचारिक" अनुरोधों से सुरक्षित रखा जाए और संसदीय निगरानी के अधीन एक सीमित रूप से परिभाषित मंत्री वीटो शक्ति का उपयोग किया जाए। सर्वेक्षण में इस बात पर जोर दिया गया कि ये केवल बहस के लिए सुझाव हैं और दोहराया गया है कि आरटीआई अधिनियम का मूल उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना और लोकतंत्र में जनता की भागीदारी बढ़ाना है। सर्वेक्षण इस अधिनियम को स्वयं में एक लक्ष्य के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने के एक साधन के रूप में समझना चाहिए। समझदारी भरा रास्ता यही है कि इसे इसके मूल उद्देश्य से जोड़े रखा जाए: नागरिकों को उन निर्णयों के लिए जवाबदेही मांगने में सक्षम बनाना जो उन्हें प्रभावित करते हैं, साथ ही यह सुनिश्चित करना कि खुलकर विचार-विमर्श करने की गुंजाइश बनी रहे और निजता का सम्मान किया जाए। पारदर्शिता और स्पष्टता के बीच यही संतुलन आरटीआई अधिनियम को अपने उद्देश्य के प्रति सच्चा बनाए रखेगा

उमर अब्दुल्ला ने उत्तराखंड के सीएम धामी को मिलाया फोन, देहरादून में कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली एजेंसी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हुए हमले के मामले में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई तेज हो गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री के प्रयासों के चलते न केवल प्राथमिकी दर्ज की गई, बल्कि इस मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया। सरकारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद उत्तराखंड पुलिस ने त्वरित कदम उठाते हुए मामला दर्ज किया और मुख्य आरोपी को हिरासत में लिया। रिपोर्टों के मुताबिक, देहरादून जिले में बुधवार

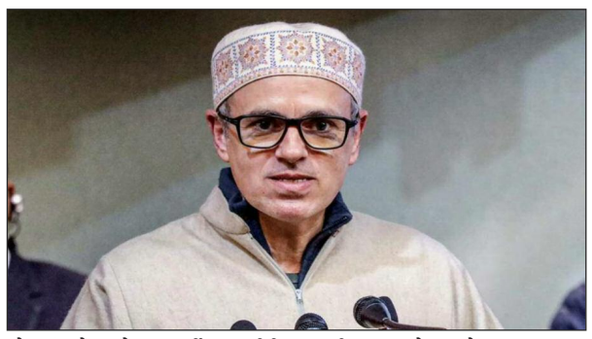

को शॉल बेच रहे 18 वर्षीय कश्मीरी युवक पर कुछ लोगों ने कथित तौर पर हमला कर दिया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के सामने आने के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर जारी एक पोस्ट में कहा गया, ह्लजम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हुए हमले के संबंध में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आग्रह किया। पोस्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री धामी ने आश्वासन दिया कि मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पोस्ट को साझा करते हुए लिखा कि हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश और अब उत्तराखंड में कश्मीरियों पर हुए हमले अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा, ह्लअगर कश्मीर के लोग देश के अन्य हिस्सों में अपनी जान को लेकर डर के साये में जिएं, तो यह कहना मुश्किल है कि जम्मू-कश्मीर वास्तव में भारत का अभिन्न अंग है ह्न उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सरकार जहां भी आवश्यक होगा, हस्तक्षेप करेगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। साथ ही उन्होंने गृह मंत्रालय से अन्य राज्यों को भी सतर्क करने की अपेक्षा जताई। वहीं देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने कहा है कि इस मामले में निष्पक्षता से कार्रवाई की जा रही है।

'घुसपैठ सिर्फ बीजेपी रोक सकती है', अमित शाह का दावा- असम के 7 जिलों में 64 लाख घुसपैठियों

नई दिल्ली एजेंसी: गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस के 20 साल के शासनकाल में असम की जनसंख्या संरचना में बदलाव आया है और उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य के सात जिलों में 64 लाख घुसपैठियों का दबदबा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि घुसपैठ को केवल भाजपा ही रोक सकती है और जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को फिर से चुनने का आग्रह किया। अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास स्थित धेमाजी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि असम में घुसपैठ की प्रवृत्ति को केवल भाजपा ही पलट सकती है। अमित शाह ने कहा कि आज मैं असम में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के बारे में भी बात करना चाहता हूँ। हिमंता जी ने कहा है कि

आपने यहाँ घुसपैठियों को रोक दिया है, लेकिन मिसिंग समुदाय की ज़िम्मेदारी सिर्फ.इस क्षेत्र में घुसपैठियों को रोकना नहीं है। मिसिंग समुदाय की ज़िम्मेदारी पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करना है। हमारे सात ज़िले धुबरी, बारपेटा, दरांग, मोरीगाँव, बोंगाईगाँव, नागांव और गोलपारा। आज ये ज़िले घुसपैठियों के वर्चस्व वाले हो गए हैं। शाह ने दावा किया कि कांग्रेस के बीस साल के शासनकाल में, इन सात जिलों में, जहाँ पहले घुसपैठियों की आबादी न के बराबर थी, अब 64 लाख घुसपैठिए हो गए हैं। अगर हमें घुसपैठियों को रोकना है, तो हमें क्या करना होगा? मैं यह नहीं कह रहा कि मेरे युवा हथियार उठाकर घुसपैठियों को रोकने के लिए सीमा पर चले जाएँ। हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार यह काम करेगी, चिंता न करें। लेकिन अगर आप घुसपैठियों को रोकना चाहते हैं, तो आगामी चुनावों में एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन दें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चुनें। मित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार असम में जनसांख्यिकीय बदलाव का मुकाबला करने के लिए कई उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की लगातार दो सरकारों ने घुसपैठियों द्वारा कथित अतिक्रमण से लगभग 1.26 लाख एकड़ भूमि मुक्त कराई है। शाह ने असम के प्रमुख आदिवासी समूहों में से एक, मिसिंग समुदाय की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिन्होंने ऊपरी असम में अवैध अतिक्रमणकारियों को आने से रोका।

तमिलनाडु में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में फंसा पेंच? सत्ता-साझाकरण पर टिकी हैं सबकी निगाहें

नई दिल्ली एजेंसी: डीएमके सांसद कनिमोझी ने शुक्रवार को कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच बातचीत सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सभी चर्चाएं पूरी होने के बाद पार्टी नेता घोषणा करेंगे। यह मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और डीएमके सांसद कनिमोझी के बीच आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए राजधानी में हुई मुलाकात के बाद हुई है। बुधवार को डीएमके द्वारा अपने सहयोगी कांग्रेस से संपर्क साधने के प्रयास के तहत शुरू की गई यह बैठक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। दोनों नेताओं ने लगभग एक घंटे तक मुलाकात की, लेकिन किसी भी आंकड़े पर चर्चा नहीं हुई। राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि वे कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की टीम से इस मामले पर चर्चा करें और औपचारिक रूप से

इसे अंतिम रूप दें। कांग्रेस पार्टी के एक सूत्र के अनुसार, बैठक सौहार्दपूर्ण रही। वहीं, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन एक पुराना गठबंधन है, और हम सभी जानते हैं कि इसका संचालन नेतृत्व द्वारा किया जाता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद में डीएमके नेता और विपक्ष की नेता कनिमोझी और राहुल गांधी के बीच सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई, और हम आशा करते हैं कि चेन्नई में बातचीत जारी रहेगी। उत्तरी मदुरै के संबंध में, युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव लड़ने की उत्सुकता व्यक्त की है, और मैं इसकी सराहना करता हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से इसका समर्थन करूंगा, क्योंकि मदुरै एक ऐसी सीट है जहां कांग्रेस पार्टी हमेशा से दीर्घकालिक रुख अपनाती रही है। राज्य में दो दशक पुराने गठबंधन के सहयोगी इस बार विधानसभा चुनावों में असहज महसूस कर रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी का राज्य नेतृत्व सरकार में हिस्सेदारी की मांग कर रहा है, जिसे डीएमके ने अभी तक नहीं दिया है। जब कई नेताओं ने झारखंड फॉर्मूले को तमिलनाडु में भी लागू करने की वकालत की, तो एआईसीसी नेतृत्व ने राज्य के सभी महत्वपूर्ण नेताओं की बैठक बुलाकर उनके विचार

मार्च में राम लल्ला के दर्शन करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू, अयोध्या में स्वागत की भव्य तैयारी

नई दिल्ली एजेंसी: श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। मीडिया से बात करते हुए मिश्रा ने बताया कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों ने हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें भगवान राम लल्ला के दर्शन के लिए अयोध्या आने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और मार्च में अयोध्या आने वाली हैं, हालांकि सटीक तिथि अभी तय नहीं हुई है। मिश्रा ने बताया कि ट्रस्ट को कई बहुमूल्य विरासत ग्रंथ प्राप्त हुए हैं। इनमें दिल्ली के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से संबंधित वाल्मीकि रामायण की लगभग 400 साल पुरानी संस्कृत लिपि में लिखी टीका भी शामिल है। यह पांडुलिपि पहले राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में रखी थी। हालांकि, ट्रस्ट के अनुरोध पर और गर्भगृह के पास मंदिर परिसर की दूसरी मंजिल पर रामायण को रखने की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, पांडुलिपि को अब स्थायी रूप से ट्रस्ट को भेंट कर दिया गया है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पांडुलिपि को अयोध्या लाए हैं। मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि ट्रस्ट को दिल्ली के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से कुछ विरासत पुस्तकें प्राप्त हुई हैं, जिनमें संस्कृत लिपि में लिखी गई वाल्मीकि रामायण की लगभग 400 साल पुरानी टीका भी शामिल है। यह दुर्लभ पांडुलिपि पहले राष्ट्रपति भवन संग्रहालय को उधार दी गई थी, लेकिन अब इसे ट्रस्ट को भेंट कर दिया गया है। पुस्तकों की आयु और प्रामाणिकता निर्धारित करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी।

एक्शन मोड में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन, गोवा में सीएम सावंत के साथ बैठक, भरी जीत की हुंकार

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने शुक्रवार को गोवा की राजधानी पणजी में पार्टी की कोर ग्रुप बैठक की अध्यक्षता की। बैठक से पहले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सुबह हवाई अड्डे पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। पत्रकारों से बात करते हुए, सावंत ने भाजपा की गोवा इकाई में उच्च स्तर के उत्साह को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी आगामी चुनावों में फिर से विजयी होगी। मुख्यमंत्री सावंत ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन गोवा पहुंच गए हैं और हमने उनका भव्य स्वागत किया। पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी चुनावों में फिर से विजयी होगी। इससे पहले, भाजपा अध्यक्ष ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय रणनीति

बैठक की। चर्चा में पश्चिम बंगाल के मौजूदा राजनीतिक माहौल, संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और राज्य भर में पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए आगामी रणनीतिक पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में उपस्थित प्रमुख भाजपा नेताओं में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष, सुकांत मजूमदार और राहुल सिन्हा शामिल थे। बैठक के बाद, सुकांत मजूमदार और राहुल सिन्हा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी आने वाले हफ्तों में अपने जनसंपर्क कार्यक्रमों को तेज करने और जमीनी स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की योजना बना रही है।

नेताओं ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा इस वर्ष पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रही है। यह बैठक नितिन नबीन की दो दिवसीय राज्य यात्रा के कार्यक्रम का हिस्सा थी। अपनी यात्रा के दौरान, वे विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की तैयारियों की समीक्षा करेंगे, कई संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे और जन कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

उत्तराखंड बनेगा साहसिक खेल का नया हब, सीएम धामी ने टिहरी महोत्सव में किया बड़ा ऐलान

उत्तराखंड एजेंसी: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को टिहरी एक्रो फेस्टिवल और राष्ट्रीय एसआईवी चैंपियनशिप 2026 के भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने साहसिक पर्यटन और खेलों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनने की दिशा में राज्य की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड साहसिक खेलों के एक नए केंद्र के रूप में उभरा है। सरकार द्वारा टिहरी को एक विशिष्ट राष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण साहसिक पर्यटन को नई गति मिली है। युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री की दूरदर्शी पहल अब सकारात्मक परिणाम दे रही है। इससे पहले, मुख्यमंत्री धामी ने प्रगति पोर्टल और राज्य में चल रही केंद्र सरकार की परियोजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रगति पोर्टल को प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में डिजिटल इंडिया पहल के तहत विभिन्न सरकारी परियोजनाओं के विश्लेषण के लिए लॉन्च किया था। यह पोर्टल भारत

सरकार द्वारा आयोजित सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की समीक्षा और निगरानी करता है। उन्होंने आगे कहा कि यह पोर्टल जनता की शिकायतों का भी समाधान करता है। इस पोर्टल के लॉन्च के

पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में कृषि, पशुपालन, पर्यटन और उद्योग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को सरकारी पहलों के माध्यम से लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के माध्यम से इन योजनाओं की पूरी जानकारी जनता को उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

बाद परियोजनाओं में जबरदस्त वृद्धि हुई है... उत्तराखंड में प्रधानमंत्री द्वारा 2014 के बाद शुरू की गई विभिन्न परियोजनाएं जमीनी हकीकत में तब्दील हो रही हैं। अब तक दस परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और बत्तीस अन्य परियोजनाएं चल रही हैं। पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में कृषि, पशुपालन, पर्यटन और उद्योग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को सरकारी पहलों के माध्यम से लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के माध्यम से इन योजनाओं की पूरी जानकारी जनता को उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर देने और उन्हें स्वरोजगार के अधिकतम अवसर प्रदान करने के लिए प्रभावी ढंग से काम करने का निर्देश दिया।

संपादकीय

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है। साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग-लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा- ह्यकुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है।

स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओडि?ा, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल- मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है। बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड? की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है। बेशक, ऐसी लामबंदी से साहित्य, कला, सिनेमा आदि के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के लिए भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मगर आज की यही हकीकत है, जो अब अधिक चिंताजनक रूप ग्रहण कर रही है।

चिंतन-मनन

मुक्ति का मार्ग

पूर्ण दिव्य ज्ञान प्राप्त कर लेने के बाद मनुष्य भगवान से गुणात्मक समता प्राप्त कर लेता है और जन्म-मरण के चप्र से मुक्त हो जाता है। लेकिन जीवात्मा के रूप में उसका वह स्वरूप समाप्त नहीं होता। वैदिक ग्रंथों से ज्ञात होता है कि जो मुक्तात्माएं वैपुंड जगत में पहुंच चुकी हैं, वे निरंतर परमेश्वर के चरणकमलों के दर्शन करती हुई उनकी दिव्य प्रेमाभक्ति में लगी रहती हैं। अतएव मुक्ति के बाद भी भक्तों का अपना निजी स्वरूप समाप्त नहीं होता। सामान्यतया इस संसार में हम जो भी ज्ञान प्राप्त करते हैं, वह प्रकृति के तीन गुणों द्वारा दूषित रहता है। जो ज्ञान इन गुणों से दूषित नहीं होता, वह दिव्य ज्ञान कहलाता है। जब कोई व्यक्ति इस दिव्य ज्ञान को प्राप्त होता है, तो वह परमपुरुष के समकक्ष पद पर पहुंच जाता है। जिन लोगों को चिन्मय आकाश का ज्ञान नहीं है, वे मानते हैं कि भौतिक स्वरूप के कार्यकलापों से मुक्त होने पर यह आध्यात्मिक पहचान बिना किसी विविधता के निराकार हो जाती है। लेकिन जिस प्रकार इस संसार में विविधता है, उसी प्रकार आध्यात्मिक जगत में भी है।

जो लोग इससे परिचित नहीं हैं, वे सोचते हैं कि आध्यात्मिक जगत इस भौतिक जगत की विविधता से उल्टा है। लेकिन वास्तव में होता यह है कि आध्यात्मिक जगत (चिन्मय आकाश) में मनुष्य को आध्यात्मिक रूप प्राप्त हो जाता है। वहां के सारे कार्यकलाप आध्यात्मिक होते हैं और यह आध्यात्मिक स्थिति भक्तिमय जीवन कहलाती है। यह वातावरण अदूषित होता है और यहां पर व्यक्ति गुणों की दृष्टि से परमेश्वर के समकक्ष होता है। ऐसा ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त आध्यात्मिक गुण उत्पन्न करने होते हैं। जो इस प्रकार के आध्यात्मिक गुण उत्पन्न कर लेता है, वह भौतिक जगत के सृजन या उसके विनाश से प्रभावित नहीं होता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सुनो नहरों की पुकार : जब आस्था पर्यावरण से संवाद करती है

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज जब हम पूजा, परंपरा और श्रद्धा की बात करते हैं, तो अक्सर भूल जाते हैं कि धर्म का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा है-विनाश नहीं। जल, जो जीवन का आधार है, वही यदि हमारी आस्था के नाम पर अपवित्र हो जाए, तो यह आत्ममंथन का विषय बनता है। 'सुनो नहरों की पुकार' ऐसा ही एक जनजागरण अभियान है, जो हमें हमारी ही भूलों से रूबरू कराता है और बताता है कि सच्ची पूजा क्या है। नहरें सिर्फ.पानी का बहाव नहीं हैं। वे खेतों की हरियाली, पशुओं की प्यास, गाँवों की संस्कृति और सभ्यता की धमनियाँ हैं। इन्हीं नहरों के सहारे किसान अपने खेतों में सोना उगाता है, पशु जीवन पाते हैं और ग्रामीण समाज की अर्थव्यवस्था चलती है। परंतु आज यही जीवनरेखाएँ हमारी असावधानी और अंधी परंपराओं के कारण कराह रही हैं। पूजा के बाद की सामग्री-मूर्तियाँ, फूल, कपड़े, प्लास्टिक, सिंदूर, अगरबत्ती, नारियल, यहाँ तक कि मृत पालतू पशु-नहरों में प्रवाहित कर दिए जाते हैं। जो कर्म श्रद्धा के नाम पर किए जाते हैं, वे दरअसल प्रकृति के विरुद्ध अपराध बन चुके हैं। इसी पीड़ा और चिंता से जन्मा 'सुनो नहरों की पुकार' अभियान। इसकी शुरूआत रोहतक में डॉ. जसमेर सिंह हुड्डा (संयोजक) और हिसार में माननीय भूपेंद्र सिंह गोदारा के प्रयासों से हुई। यह कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या और निरंतर जागरूकता का परिणाम है। यह अभियान न किसी राजनीतिक लाभ के लिए है, न किसी संगठनात्मक प्रसिद्धि के लिए। इसका उद्देश्य केवल एक है-नहरों को प्रदूषण से मुक्त करना और समाज की सोच में बदलाव लाना। गुरेरा गाँव की मिट्टी से उठे मास्टर भूपेंद्र गोदारा ने इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले अनेक जागरूक साथी- सुबेदार मेजर दलीप सिंह, टेकचन्द बागड़ी, श्री दलवीर पोटलिया, रिटायर्ड आचार्य विजेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, प्राचार्य अजीत सिंह, निहाल सिंह गोदारा, श्री पवन कुमार सहित कई समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता। इन सभी का स्पष्ट विश्वास है कि जब तक समाज अपनी आदतें नहीं बदलेगा, तब तक नहरों की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। नियम-कानून अपनी जगह हैं, पर वास्तविक बदलाव तभी आएगा जब जनमानस जागेगा। कोरोना जैसे भयावह समय में भी यह कारवाँ नहीं रुका। रविवार हो या छुट्टी, त्योहार हो या बारिश-टीम नहरों के किनारे हाथों में तख्तियाँ लिए खड़ी दिखाई दी। तख्तियों पर लिखे वाक्य केवल नारे नहीं थे, बल्कि समाज से संवाद थे- 'जल है तो कल है', 'नहरों को प्रदूषित मत करो', 'आस्था है तो स्वच्छता भी हो'। हिम्मत सिंह, राममूर्ति, नरेंद्र कुल्हड़िया, प्रवीण वकील, सुरेंद्र गोदारा, संदीप, सीताराम, शेर सिंह, विकास गोदारा, रामभगत पुनिया जैसे समाजसेवियों ने इस आवाज को मजबूती दी। वहीं सुमन गोदारा, संतोष गोदारा, रचना, पुष्पा, कमला, सुनीता, शीला, तारा देवी, सुदेश ढांडा जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को सामाजिक गहराई प्रदान की। गुरेरा से इंस्पेक्टर उदयभान गोदारा ने भी लोगों से आह्वान किया कि जब तक यह संदेश हर गली और हर घर तक नहीं पहुँचेगा, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा। जब जीवनदायिनी जलधारा में प्लास्टिक, रसायन और जैविक कचरा घुल जाता है, तो वही जल विष बन जाता है। यह विषाक्त जल खेतों में जाता है, मिट्टी को बीमार करता है, फसलों की गुणवत्ता घटाता है और अंततः हमारे भोजन में प्रवेश करता है। यह संकट केवल कृषि तक सीमित नहीं है। नहरों का पानी पीने वाले पशु, पक्षी और अन्य जीव रोगग्रस्त हो जाते हैं। जलजनित रोग, त्वचा रोग, पाचन संबंधी समस्याएँ और दीर्घकाल में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि जल प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए एक मौन आपदा बन चुका है। 'सुनो नहरों की पुकार' अभियान का मूल संदेश सीधा और स्पष्ट है-धर्म का अर्थ है प्रकृति की रक्षा। यदि भगवान सर्वव्यापी हैं, तो वे नदियों, नहरों, पेड़ों और जीवों में भी हैं। फिर उनकी पूजा के नाम पर इन्हीं तत्वों को दूषित करना कैसी आस्था है? पूजा सामग्री को नहरों में बहाना धर्म नहीं, बल्कि अधर्म है। मास्टर भूपेंद्र गोदारा का प्रश्न समाज से सीधा संवाद करता है- 'हे प्रभु, आपके नाम पर लोग प्रकृति का इतना अपमान क्यों कर रहे हैं? यह कैसी श्रद्धा है, जो जीवनदायिनी नहरों को विष से भर रही है?' यही प्रश्न इस आंदोलन की आत्मा है।

शिक्षा खौफनाक नहीं, बल्कि स्नेह एवं हौसलों का माध्यम बने

ललित गर्ग

जीवन को दिशा देने वाली शिक्षा यदि भय, हिंसा और दमन का पर्याय बन जाए तो वह सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबना कही जाएगी। हाल के वर्षों में पढ़ाई के नाम पर बच्चों पर बढ़ते दबाव, घर और स्कूल में हिंसक व्यवहार तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ ने शिक्षा की आत्मा पर गहरा आघात किया है। फरीदाबाद की उस हृदयविदारक घटना ने, जिसमें महज गिनती न सीख पाने के कारण एक मासूम बच्ची को पिता की क्रूरता ने मौत के मुंह में धकेल दिया, पूरे समाज को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इस तरह खौफनाक होती पढ़ाई अब केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ी विडम्बना बनती जा रही है। इस तथाकथित शिक्षा की विकृत मानसिकता का भयानक परिणाम है कि आज भी यह माना जाता है कि डर और मार से बच्चों को बेहतर बनाया जा सकता है। ज्ञान की इस सदी में यह सोचना ही शर्मनाक है कि पढ़ाई के नाम पर किसी बच्चे से उसका जीवन, उसका बचपन, उसका आत्मविश्वास छीना जा सकता है।

आज शिक्षा धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं से कटती जा रही है। परीक्षा परिणाम, रैंक, अंक तालिका और प्रतिस्पर्धा के आंकड़े शिक्षा का चेहरा बनते जा रहे हैं। अभिभावक अपने अधूरे सपनों का बोझ बच्चों के नाजुक कंधों पर लाद देते हैं और स्कूल उन्हें प्रदर्शन की मशीन मानकर आंकने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चा पढ़ाई को उत्सव या खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक खौफनाक दायित्व के रूप में देखने लगता है। घर, जो सबसे सुरक्षित और स्नेहपूर्ण स्थान होना चाहिए, वहीं डर का अड्डा बन जाता है। स्कूल, जो जिज्ञासा और रचनात्मकता को पंख देने का माध्यम होना चाहिए, वह दंड और अपमान का स्थल बन जाता है। ऐसे में मासूम मन कहां जाए, किससे अपने भय और असहायता को साझा करे। मनोविज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तमाम अध्ययन यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंसा, डांट, डर और अपमान बच्चों की सीखने की क्षमता को नष्ट करते हैं। डर के माहौल में बच्चा न तो प्रश्न पूछ पाता है, न प्रयोग कर पाता है और न ही अपनी गलतियों से सीख पाता है। उसकी स्मरण शक्ति, एकाग्रता और निर्णय क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धीरे-धीरे वह हीनभावना का शिकार हो जाता है और स्वयं को अयोग्य समझने लगता है। यह कुंठा केवल बचपन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे जीवन उसके व्यक्तित्व पर छाया की तरह मंडराती रहती है। ऐसे बच्चे बड़े होकर भी जोखिम लेने से डरते हैं, अपनी बात रखने में संकोच करते हैं और जीवन की प्रतिस्पर्धा में आत्मविश्वास के अभाव में पिछड़ जाते हैं। यह शिक्षा नहीं, बल्कि एक तरह का मानसिक शोषण है।

हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम हर बच्चे को एक ही मापदंड से आंकना चाहते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट है। किसी की रुचि गणित में है तो किसी की कला में, कोई खेल में खिलता है तो कोई संगीत या साहित्य में। प्रकृति ने हर बच्चे को किसी न किसी विशेष क्षमता के साथ भेजा है, लेकिन हम उसे पहचानने की बजाय एक तयशुदा पाठ्यक्रम और अपेक्षाओं की बेड़ियों में जकड़ देते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 ने बहुआयामी शिक्षा, रुचि आधारित सीख और मूल्यपरक दृष्टि की बात जरूर की है, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी भी अंक और रैंक की मानसिकता हावी है। कोचिंग संस्कृति, बोर्ड परीक्षाओं का भय और प्रवेश परीक्षाओं की दौड़ ने शिक्षा को और भी संकीर्ण बना दिया है। इसके साथ ही यह भी एक कटु सत्य है कि कई बच्चे जन्मजात, आनुवंशिक या परिस्थितिजन्य कारणों से सीखने में कठिनाई महसूस करते हैं। दृष्टि दोष, श्रवण समस्या, डिस्लेक्सिया, मानसिक तनाव या पारिवारिक अस्थिरता जैसी स्थितियां उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे बच्चों को सबसे अधिक समझ, धैर्य और सहारे की आवश्यकता होती है, लेकिन दुर्भाग्य से वही बच्चे सबसे पहले डांट और दंड का शिकार बनते हैं। शिक्षक और अभिभावक उनकी समस्या को समझने की बजाय उन्हें आलसी या अयोग्य ठहरा देते हैं। यह रवैया न केवल अमानवीय है, बल्कि भविष्य की पीढ़ी के साथ अन्याय भी है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना है। यदि शिक्षा अहिंसा, करुणा, सहानुभूति और आत्मसम्मान का पाठ नहीं पढ़ाती, तो वह अधूरी है। बच्चों को सिखाने का सबसे प्रभावी माध्यम उदाहरण होता है। जब वे घर और स्कूल में संवाद, धैर्य और प्रेम देखते हैं, तभी वे भी वही मूल्य आत्मसात करते हैं। भय के वातावरण में पले बच्चे या तो दब्बू बन जाते हैं या फिर हिंसा को ही समाधान मानने लगते हैं। समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता के पीछे कहीं न कहीं वही शिक्षा व्यवस्था जिम्मेदार है जो संवेदनशील मनुष्यों के बजाय केवल प्रतिस्पर्धी उपभोक्ता तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बार-बार परीक्षा के तनाव को कम करने और शिक्षा को जीवन से जोड़ने की अपील इस बात का संकेत है कि समस्या गंभीर है। लेकिन केवल भाषणों और नीतियों से बदलाव नहीं आएगा। असली परिवर्तन तब होगा जब अभिभावक यह समझेंगे कि उनका बच्चा उनकी प्रतिष्ठा का साधन नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। जब शिक्षक यह मानेंगे कि उनका दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चों में सीखने की ललक जगाना है। जब स्कूल प्रशासन दंड की संस्कृति छोड़कर सहयोग और परामर्श की व्यवस्था विकसित करेगा। और जब समाज यह स्वीकार करेगा कि असफलता भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई अपराध नहीं।

आज जरूरत है शिक्षा को फिर से मानवीय बनाने की। ऐसी शिक्षा की, जिसमें स्नेह अनुशासन का आधार हो, संवाद दंड का विकल्प बने और विश्वास भय की जगह ले। बच्चों को यह एहसास कराया जाए कि वे जैसे हैं, वैसे ही स्वीकार्य हैं और उनकी प्रगति का रास्ता उनकी अपनी गति से तय होगा। शिक्षा को अहिंसक दृष्टि से देखना केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि व्यावहारिक आवश्यकता भी है। क्योंकि जिस समाज की शिक्षा बच्चों को तोड़ती है, वह समाज कभी मजबूत नहीं हो सकता। मासूमों को डर नहीं, हौसले का संबल चाहिए; डांट नहीं, दिशा चाहिए; और हिंसा नहीं, विश्वास चाहिए। तभी शिक्षा सचमुच जीवन देने वाली बन सकेगी, जीवन लेने वाली नहीं।

नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल्स कॉन्फ्रेंस (एनपीएससी) भारत के 250 से ज्यादा प्रमुख प्राइवेट सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का एक प्रमुख एसोसिएशन है, शिक्षा की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए एनसीईआरटी और एनआईईपीए जैसे सरकारी निकायों के साथ मिलकर काम करता है, जिसमें पॉलिसी सुधार, पढ़ाने-सीखने के तरीकों और सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। जिसका उद्देश्य शैक्षिक पहलों, टेक्नोलॉजी के इंटीग्रेशन और मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को बेहतर बनाना। इसी से जुड़ी डॉ. उषा राम भारतीय स्कूल शिक्षा क्षेत्र में एक अनुभवी शिक्षिका और लीडर हैं, इसी तरह श्रीनिवासन श्रीराम द मान स्कूल, दिल्ली के प्रिंसिपल हैं, जिनके पास रेजिडेंशियल पब्लिक स्कूल शिक्षा और आईटी एडमिनिस्ट्रेशन में 30 से ज्यादा सालों का अनुभव है। मेयो कॉलेज में कंप्यूटर साइंस के पूर्व हेड होने के नाते, वे आईसीटी इंटीग्रेशन और इक्कीसवीं सदी की लर्निंग में एक्सपर्ट हैं। इन दोनों शिक्षाशास्त्रियों से कल ही प्लेटीनम वैली इन्टरनेशनल स्कूल में नई शिक्षा नीति-2020 को लेकर सार्थक चर्चा हुई। सर्वसम्मति यही सामने आयी कि आज सबसे बड़ा और चिंताजनक प्रश्न यह है कि जो शिक्षा जीवन निर्माण, चरित्र गठन और मानवीय मूल्यों के संवर्धन का माध्यम होनी चाहिए थी, वही शिक्षा धीरे-धीरे विध्वंस का कारक क्यों बनती जा रही है। जब शिक्षा सही दिशा में आगे नहीं बढ़ती, जब वह अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व और नैतिक विवेक से संपन्न नागरिकों का निर्माण करने में विफल रहती है, तब उससे निकलने वाली पीढ़ियां केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी संकट का कारण बनती हैं।

भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की ओर अग्रसर

भारत को निम्न आय श्रेणी में से वर्ष 2007 में निम्न मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने में 60 वर्ष का समय लगा था। भारत में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI) वर्ष 1962 में 90 अमेरिकी डॉलर थी जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी प्रकार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को प्राप्त करने में 60 वर्ष लग गए थे। आगामी 7 वर्षों में अर्थात वर्ष 2014 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया था। पुनः आगामी 7 वर्षों में अर्थत वर्ष 2021 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया था। परंतु, आगामी केवल 4 वर्षों में अर्थत वर्ष 2025 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। एक अनुमान के अनुसार, आगामी केवल 2/3 वर्षों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। वर्ष 2009 में भारत को प्रति व्यक्ति आय 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को प्राप्त करने में 62 वर्षों का समय लगा था। परंतु, आगामी केवल 10 वर्षों में, अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर हो गई। अब आगामी 7 वर्षों में अर्थात वर्ष 2026 में भारत में प्रति व्यक्ति आय के 3,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके भी आगे जाकर, केवल 4 वर्ष पश्चात अर्थात वर्ष 2030 में भारत में प्रति व्यक्ति आय 4,000 अमेरिकी डॉलर हो जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसी के चलते वर्ष 2030 तक भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस श्रेणी में आज चीन एवं इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हो चुके हैं।

किसी भी देश को उच्च आय की श्रेणी में शामिल होने के लिए उस देश में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर (आज की परिभाषा के अनुसार) के स्तर पर पहुंच जानी चाहिए। इसके बाद उस देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में भी शामिल कर लिया जाता है। इस दृष्टि से भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो भारत में सकल घरेलू उत्पाद में संयुक्त रूप से 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होना चाहिए, यह वृद्धि दर हासिल करने योग्य है क्योंकि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में औसत संयुक्त वृद्धि दर पिछले 23 वर्षों के दौरान (वर्ष 2001 से वर्ष 2024 के बीच) 8.3 प्रतिशत प्रतिवर्ष रही है। इससे स्पष्ट है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी के क्लब में शामिल हो जाएगा। इसके बाद भारत को वर्ष 2047 में उच्च आय श्रेणी के क्लब में शामिल होने के लिए प्रति व्यक्ति आय को 18,000 अमेरिकी डॉलर (उस समय की परिभाषा के अनुसार) के स्तर को पार करना होगा, इसके लिए आगामी 23 वर्षों में भारत में प्रति व्यक्ति आय के स्तर में संयुक्त रूप से 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। यह लक्ष्य भी बहुत कठिन नहीं हैं, यदि इस संदर्भ में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा मिलकर इस प्रकार की आर्थिक नीतियां बनाई जाती हैं जिससे गरीब से गरीब नागरिक तक इन आर्थिक नीतियों के लाभ को पहुंचाया जा सकता हो ताकि इस वर्ग के नागरिकों का आर्थिक विकास भी सम्भव हो सके।

वैश्विक स्तर पर कुल 139 विकासशील एवं उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल 6 देशों की अर्थव्यवस्थाएं भारत की तुलना में तेज गति से आर्थिक विकास करने में सक्षम हुई हैं। परंतु, विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत की आर्थिक विकास दर आज भी सबसे अधिक बनी हुई है। दरअसल, छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार तुलनात्मक रूप से बहुत छोटा होता है अतः प्रतिशत के आकलन में यह देश भारत की आर्थिक विकास की दर से कुछ आगे निकल जाते हैं परंतु जैसे जैसे सकल घरेलू उत्पाद का आकार बढ़ता जाता है वैसे वैसे इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर कुछ कम दिखाई देने लगती है।

विश्व बैंक द्वारा समय समय पर विश्व के समस्त देशों को इन देशों में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के स्तर के आधार पर निम्न आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय एवं उच्च आय के श्रेणी में विभाजित किया जाता है। वर्ष 1990 में पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति निम्न आय की श्रेणी में 51 देश शामिल किए गए थे, जबकि प्रति व्यक्ति निम्न मध्यम आय की श्रेणी में 56 देश शामिल थे, प्रति व्यक्ति उच्च मध्यम आय की श्रेणी में 29 देश शामिल थे एवं प्रति व्यक्ति उच्च आय की श्रेणी में 39 देश शामिल थे। विश्व बैंक द्वारा ही वर्ष 2024 में किए गए एक आंकलन के अनुसार पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति निम्न आय की श्रेणी में देशों की संख्या घटकर 26 हो गई एवं प्रति व्यक्ति निम्न मध्यम आय की श्रेणी में देशों की संख्या में भी गिरावट दृष्टिगोचर हुई है और इस श्रेणी में देशों की संख्या घटकर 50 हो गई है। जबकि प्रति व्यक्ति उच्च मध्यम आय की श्रेणी में शामिल देशों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। परंतु प्रति व्यक्ति उच्च आय की श्रेणी में तो देशों की संख्या और भी तेज गति से बढ़कर 87 के स्तर पर पहुंच गई है। इस संदर्भ में 2 उदाहरण दिये जा सकते हैं कि किस प्रकार प्रति व्यक्ति उच्च आय की श्रेणी में शामिल होने वाले देशों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

चीन, वर्ष 1990 में 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी के देशों में शामिल था, परंतु वर्ष 1999 में चीन में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 860 अमेरिकी डॉलर हो गई एवं चीन निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। आगे चलकर वर्ष 2010 में, चीन के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और इस प्रकार चीन उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। वर्ष 2007 में चीन में प्रति व्यक्ति आय 2,555 अमेरिकी डॉलर की रही थी, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2023 में 2580 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच सकी है। दरअसल, भारत में आर्थिक विकास की लगातार तेज गति वास्तविक रूप में वर्ष 2014 से ही प्रारम्भ हुई है। इसी प्रकार, गयाना जैसे छोटे राष्ट्र में वर्ष 1997 में प्रति व्यक्ति आय 390 अमेरिकी डॉलर की थी और गयाना निम्न आय श्रेणी में शामिल था, वर्ष 2015 में गयाना में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 5,530 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई और गयाना उच्च मध्यम आय की श्रेणी में शामिल हो गया। परंतु इसमें बाद वर्ष 2022 में तो गयाना में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 20,140 के स्तर पर पहुंच गई और आज गयाना उच्च आय श्रेमी में शामिल हो चुका है। अतः भारत को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए अपनी आर्थिक विकास दर को और अधिक गति देनी होगी।

जैसा कि ऊपर के पैरा में वर्णन किया गया है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत के आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दिया ही नहीं गया था। सकल घरेलू उत्पाद के स्तर की दृष्टि से वर्ष 1990 में पूरे विश्व में भारत का 14वां स्थान था, जबकि वर्ष 2025 में भारत पूरे विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है एवं शीघ्र ही आने वाले 2/3 वर्षों भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसी प्रकार भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्ष 2027/28 तक 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा तथा वर्ष 2035/36 तक भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारतीय नागरिकों को इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पंच परिवर्तन कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में जिन 5 बिंदुओं को शामिल किया गया है, वह निम्नप्रकार हैं - प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का अनुपालन करते हुए अनुशासन में रहना, ताकि पुरे विश्व में भारत की साख को बढ़ाया जा सके। भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने की दृष्टि से स्वदेशी के उपयोग को बढ़ावा देना एवं अपने आप में ह्रस्वह्व के भाव को विकसित करना। समाज के समस्त वर्गों को आपस में भाईचारा स्थापित करना ताकि वे भारत के विकास में शांतिपूर्वक अपना प्रबल योगदान दे सकें। भारत में पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने की महती आवश्यकता है, प्रकृति का शोषण नहीं करते हुए प्रकृति का पोषण करना भी सीखें। पूरे विश्व में केवल भारत में ही बहुत बड़े स्तर पर संयुक्त परिवार व्यवस्था पाई जाती है और यह व्यवस्था केवल भारत को ही ईश्वर का वरदान माना जाता है। इस व्यवस्था को अक्षुण बनाए रखने के लिए कुटुम्ब प्रबोधन की गतिविधियों को समस्त परिवारों में बढ़ावा देना होगा। कुल मिलाकर, भारतीय समाज यदि एकजुट होकर देश को प्रत्येक क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाना चाहता है तो यह कार्य कोई मुश्किल भी नहीं है। संघ द्वारा दिए गए उक्त वर्णित पंच परिवर्तन के कार्यक्रम को लागू कर मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग द्वारा सदस्यों की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला कलस्टर सुविधा इकाई एवं जी०आई० समिति, की बैठक कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग द्वारा सभी सदस्यों के साथ आयोजित कराई गयी, जिसमें अजब सिंह प्रभारी ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक / सदस्य सचिव जिला कलस्टर सुविधा इकाई अमरोहा के द्वारा उ०प्र० कृषि निर्यात नीति 2019 के अर्न्तगत प्राविधानित समस्त अनुदानों प्रोत्साहनों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी, तथा नीति के अन्तर्गत हुये नवीन संसोधनो पर भी सिंह द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी। सिंह द्वारा जनपद अमरोहा के अन्तर्गत कृषि निर्यात के अनुलग्नक 1 (चतुर्थ संसोधन) के

अनुसार चिन्हांकित कृषि उत्पादों के बारे में बताया गया। जिसके अन्तर्गत यथा आम, आलू, मेन्था, बासमती धान एवं ताजी हरी सब्जियां जनपद अमरोहा से चिन्हांकित हैं. तथा वर्तमान में जनपद अमरोहा से आम का एक कलस्टर तहसील स्तर पर प्रक्रियाधीन है। जिस पर अध्यक्ष द्वारा उद्यान व कृषि विभाग से सम्बधित उत्पादों के कलस्टर निर्माण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। अध्यक्ष ने कलस्टर निमार्ण एवं निर्यात में आ रही समस्याओं को समस्त प्रतिभागियों से सुना एवं समस्याओं को उच्च स्तर तक पहुंचानें के लिये निर्देशित किया। अध्यक्ष के द्वारा प्रगतिशील एफ०पी०ओ० से कलस्टर के साथ-साथ प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने को कहा। अध्यक्ष ने निर्यात को बढ़ाबा देने के लिये एफ०पी०ओ० एवं निर्यातकों के मध्य सामंजस्य बनाने हेतु कार्यशाला आयोजन के लिये निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित श्योनाथ एग्रीटैक एफ०पी०ओ० के निदेशक जोगिन्दर द्वारा सुझाव दिया गया कि जनपद से शहद को अनुलग्नक 1 की सूची में सम्मलित किया जाना उचित होगा जिससे शहद का कलस्टर बनाकर निर्यात किया जा सके, जिस पर अध्यक्ष द्वारा जनपद अमरोहा से शहद को जोड़ने का प्रस्ताव जिला कलस्टर सुविध इकाई के माध्यम से प्रेषित करने हेतु सदस्य सचिव को निर्देशित किया गया। बैठक में जनपद से सम्भावित नये जी०आई० उत्पादों के पंजीकरण हेतु समस्त विभागों को प्रस्ताव उपलब्ध कराने के साथ-साथ पूर्व से पंजीकृत उत्पाद बासमती के अधिक से अधिक अधिकृत उपयोगकर्ता बनाये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जिला कृषि अधिकारी ने कलस्टर में उत्पादित होने वाले उत्पादों को निर्यात योग्य बनाने में होने वाली समस्त कृषि कियाओं की जानकारी दी, उपायुक्त उघोग ने अपने विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी दी, बैठक में उपस्थित निर्यातक नदीम सिदकी व ईशान्त सैनी के द्वारा निर्यात की बारीकियों के बारे में चर्चा की। पशु चिकित्साधिकारी, जिला विकास प्रबंधक, प्रतिनिधि जिला उद्यान अधिकारी, सहायक आयुक्त खाद्य, एवं प्रगतिशील एफ०पी०ओ० ने बैठक में प्रतिभाग किया।

गजरौला में कुंडल छीनने की घटना का खुलासा, पुलिस ने दो लुटेरे सहित सुनार को किया गिरफ्तार

अमरोहा सब का सपना):- जनपद में थाना गजरौला पुलिस ने एक कुण्डल छीनने की घटना का सफल अनावरण किया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत पुलिस ने दो छिनैती करने वाले अभियुक्तों और चोरी का माल खरीदने वाले सुनार को गिरफ्तार किया। घटना के अनुसार, एक महिला के बाएं कान का कुण्डल अज्ञात व्यक्तियों ने झपट्टा मारकर छीन लिया था। शिकायत पर थाना गजरौला में बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त साहिल पुत्र इसरार निवासी ग्राम सिहाली जागीर थाना हसनपुर और अदनान पुत्र निजाम निवासी ग्राम सिहाली जागीर, थाना हसनपुर के नाम सामने आए।30 जनवरी 2026 को पुलिस ने भानपुर पुल गजरौला से दोनों

अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल और बचे हुए 3800 रुपये नगद बरामद हुए। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि छीना गया कुण्डल उन्होंने 7000 रुपये में सुनार यूनुस पुत्र अय्यूब अली, निवासी मौहल्ला लालबाग, थाना हसनपुर को बेच दिया था। अभियुक्तों की निशानदेही पर यूनुस को रोडवेज बस स्टैंड गजरौला से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से छीना गया पीली धातु का कुण्डल बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई। सभी अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच का सफल परिणाम है, जो अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दशार्ती है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए चालकों से सीधा संवाद

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह में लगातार परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम और प्रवर्तन कार्रवाई में आज अमरोहा में परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के द्वारा संयुक्त रूप से एन सी सी के कैडेट्स के साथ आम जनता से सीधा संवाद करके जागरूकता कार्यक्रम भिन्न भिन्न चौराहों पर किया गया।ए आर टी ओ प्रवर्तन महेश शर्मा और टी आई अनुज मलिक के द्वारा संयुक्त रूप से एन सी सी के कैडेट्स की सहायता से पहले कैलसा रोड चौराहे पर चालकों को रोका गया और उनसे कैडेट्स ने सीधा संवाद करके पूछा कि क्या आप यातायात के नियमों को

जानते नहीं हैं या जानते हुए भी उनका पालन नहीं करते हैं। यहां बड़ी आश्चर्य जनक बात सामने आई कि यातायात के नियमों के विषय में कैडेट्स द्वारा जो प्रश्न पूछे लगभग सभी के उत्तर चालकों द्वारा सही बताये गये फिर समाज सेवी अनिल जग्गा ने समझाया कि यह तो और गलत है ऐसी स्थिति में जागरूक होना बहुत जरूरी है।इसी तरह गॉधी मूर्ति चौराहा, गुरु गोविंद सिंह चौक, बंबूगढ चौराहा और जोया फ्लाइओवर के नीचे यातायात के नियमों का उलंघन कर रहे वाहन चालकों को रोककर उनसे संवाद किया गया।ए आर टी ओ प्रवर्तन ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह कल समाप्त हो रहा है हमने पूरे माह बड़े स्तर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए भिन्न भिन्न प्रकार से समझाया गया है यदि अब भी यातायात के नियमों का उलंघन किया जाता हुए पाया गया तो अमरोहा के लोग बडी प्रवर्तन कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इसके बाद ए आर टी ओ प्रवर्तन द्वारा प्रदूषण जॉच केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

इसके बाद प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के द्वारा संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा के नियमों के उलंघन विपरीत दिशा में वाहन चलाने,हेलमेट नहीं पहना, सीट बेल्ट ना लगाने, प्रदूषण प्रमाण पत्र समाप्त होने और हाईवे पर अवैध पार्किंग कर खड़े वाहनों सहित कुल 350 वाहनों के चालान काटे गए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भाकियू (लोकहित) की मासिक पंचायत का आयोजन,अहम मुद्दों पर चर्चा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (लोकहित) की मासिक पंचायत का आयोजन कराया गया। पंचायत के दौरान अहम मुद्दों पर चर्चा करते हुए किसानो और मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा हुई जिसमें अधिवक्ताओं ने प्रशासन के प्रति रोष व्यक्त किया। बता दें कि शुक्रवार को तहसील परिसर मंडी धनौरा में आयोजित किसानों की मासिक पंचायत की अध्यक्षता आसिफ रायनी ने की। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस और किताबों के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है जिस पर रोक लगनी चाहिए, उन्होंने बिजली विभाग के ठेकेदारों द्वारा उपभोक्ताओं की

सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जाने का भी विरोध किया। इस पर उन्होंने कहा कि यदि जबरन मीटर लगाए जाएंगे तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इसके अलावा ग्राम चुचैला कलां में बंदरों के बढ़ते आतंक का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने अधिकारियों से बंदरों को पकड़ने की मांग की। इसके अतिरिक्त बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल नुकसान का मुआवजा अब तक न मिलने पर आक्रोश व्यक्त किया गया और शीघ्र भुगतान की मांग की गई। वहीं पंचायत के दौरान वक्ताओं ने भूमि अंश निर्धारण चकबंदी पैमाइश में व्याप्त भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अनिवार्यता पर जोर दिया। आवारा पशुओं द्वारा फसलों को बर्बाद करने पर चिंता जताते हुए उन्होंने तत्काल गौशाला भेजने की मांग की ।क्षेत्र में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर दवा का छिड़काव करने की अपील की। वहीं पंचायत के दौरान संगठन को मजबूत करने के लिए नए सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई और जन सेवा का संकल्प लिया गया। इस दौरान वहां पर कैलाश त्यागी, आसिफ रायनी, नीलाव सिंह ,सहजर अंबो, नकील अहमद ,नसीम ,अकरम, अशोक वर्मा ,त्रिलोक सिंह, बंटी, कपिल त्यागी, सादिक और शहाबुद्दीन सहित बड़ी संख्या में किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में शहीद दिवस पर मौन धारण, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को किया याद,दी श्रद्धांजलि

अमरोहा(सब का सपना): येजनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में शहीद दिवस के अवसर पर उपजिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के साथ सभी अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर के सभागार में दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को याद किया। बता दें कि शुक्रवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने

अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण किया।अमरोहा डीएम ने शहीदों के त्याग और बलिदान की सराहना की। जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और शहीदों के त्याग को सराहा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे

वरिष्ठ साहित्यकार ए. अरविंदाक्षन और कवयित्री जमुना बीनी को मिला 'तथागत साहित्य सम्मान', साहित्य अकादेमी में गूंजी आदिवासी चेतना

नई दिल्ली। शनिवार, 24 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के साहित्य अकादेमी सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में केरल के वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार ए. अरविंदाक्षन और अरुणाचल प्रदेश की युवा कवयित्री जमुना बीनी को तथागत साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाकवि निराला की सरस्वती वंदना पर आधारित कथक प्रस्तुति से हुआ। तथागत ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. एन. पी. सिंह (पूर्व आईएएस) ने ट्रस्ट की परिकल्पना, सामाजिक-शैक्षणिक

कार्यों और उत्तर-दक्षिण भारत के बीच भाषा-संस्कृति संवाद के लक्ष्य को रेखांकित किया। यह सम्मान प्रख्यात साहित्यकार रामदरश मिश्र की स्मृति में प्रदान किया गया। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकारों अनामिका, ओम निश्चल, अशोक वाजपेयी, चंद्रकांता सहित अनेक विद्वानों ने दोनों रचनाकारों के साहित्यिक योगदान पर विचार साझा किए। ए. अरविंदाक्षन की कृति धड़कनों के भीतर जाकर और जमुना बीनी के संग्रह जब आदिवासी गाता है के माध्यम से भाषाई संवेदनाओं, आदिवासी चेतना और मानवीय मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति सामने आई। यह आयोजन न केवल हिन्दी साहित्य, बल्कि समूचे भारतीय साहित्य में संवाद, संवेदना और मानवीयता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

दिल्ली के पहाड़गंज में स्पा-सैलून की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़, 24 लड़कियों को बचाया; दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में स्पा और यूनिसेक्स सैलून की आड़ में देह व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है। ताजा घटना में, सेंट्रल दिल्ली के नबी करीम पुलिस स्टेशन ने पहाड़गंज इलाके में एक यूनिसेक्स सैलून की आड़ में चल रहे देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस कार्रवाई के दौरान 24 लड़कियों को बचाया गया, जिन्हें नौकरी दिलाने के बहाने पश्चिम बंगाल, राजस्थान और दूसरे राज्यों से लाया गया था और बाद में उनसे जबरन देह व्यापार करवाया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में सैलून के दो मालिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनीश अहमद और शफीक अहमद के रूप में हुई है। यह कार्रवाई नेशनल ह्यूमन राइट्स

कमीशन से मिली जानकारी के आधार पर की गई। हाल ही में, ठलफ्छ की मदद से मेरठ के कबाड़ी बाजार इलाके में चल रहे एक देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया गया था, जहां से 27 लड़कियों को बचाया गया था। पूछताछ के दौरान, पीड़ितों में से एक ने बताया कि वह भी पहाड़गंज इलाके में एक स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार रैकेट में फंसी हुई थी। इस जानकारी के बाद, ठलफ्छ ने सेंट्रल जिले के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस को शिकायत भेजी। के निदेशों के बाद, सेंट्रल जिले की ऑपरेशन सेल टीम ने 29 जनवरी की रात को पहाड़गंज में आरक्षण रोड पर इमेज-2 नाम के एक यूनिसेक्स सैलून पर छापा मारा। छापे के दौरान, यह पुष्टि हुई कि सैलून की पहली और दूसरी मंजिल पर देह व्यापार किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से दोनों सैलून मालिकों को गिरफ्तार कर लिया और वहां मौजूद 24 लड़कियों को सुरक्षित बचा लिया। बचाई गई लड़कियों की काउंसलिंग की गई, जिसमें पता चला कि तस्कर उन्हें बेहतर नौकरी और अच्छी सैलरी का लालच देकर दिल्ली लाए थे और बाद में उनसे जबरन देह व्यापार करवाया। पुलिस ने बताया कि बचाई गई लड़कियों में से एक को उसी दिन कानपुर से लाया गया था। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इस गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। पीड़ितों के पुनर्वास की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

आतिशी के बयान, कपिल मिश्रा पर FIR और जांच रिपोर्ट न देने से दिल्ली विधानसभा नाराज; पंजाब सरकार-पुलिस पर सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के गत शीतकालीन सत्र में नेता प्रतिपक्ष आतिशी द्वारा दिए गए बयान को लेकर माहौल लगातार गमार्या हुआ है। एक तरफ उनके बयान में अतिरिक्त सामग्री जोड़कर इंटरनेट मीडिया पर जारी कर देने का आरोप लगाते हुए पंजाब के जालंधर में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। दूसरी तरफ दिल्ली विधानसभा ने इस एफआईआर पर पंजाब पुलिस से दस्तावेज मांगे हैं। मगर पंजाब पुलिस ने अभी तक इस बारे में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। जिससे दिल्ली विधानसभा नाराज है और एफआईआर मामले में पंजाब सरकार पर सवाल उठा रही है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने जारी बयान में कहा है कि पंजाब

सरकार ने अभी तक जिस प्रकार से संबंधित फाइल को रोके रखा गया है, उससे कई गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। कहा है कि न तो अब तक एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराई गई है, न ही शिकायत की कापी सौंपी गई है और न ही जांच से संबंधित कोई आधिकारिक रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है। उन्होंने कहा है कि यह स्थिति संदेह को जन्म देती है और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा पूरी दृढ़ता के साथ इस मामले को उठाएगी और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। कहा कि इस पूरे मामले में जिस तरह की चुप्पी और टालमटोल देखने को मिल रही है, उससे यह प्रतीत होता है कि कुछ तथ्यों को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि इस प्रकरण के तार सीधे तौर पर पंजाब के मुख्यमंत्री तक जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो इस मामले की गंभीरता को और बढ़ा देता है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा इस विषय को किसी भी रूप में हल्के में नहीं लेगी। यह मामला केवल प्रशासनिक या राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह हमारे गुरुओं के सम्मान और आस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे संवेदनशील विषयों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या असंवेदनशीलता को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

गजरौला में मनरेगा बहाली के लिए कांग्रेस कार्यकताओं ने वीडिओ सौंपा ज्ञापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी में कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने मनरेगा बहाली को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल को सौंपा। कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने इस कार्य को ब्लॉक अध्यक्ष वाहिद अली के नेतृत्व में किया। बता दें कि शुक्रवार गजरौला में कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने मनरेगा बहाली को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल को सौंपा।इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द कर दिया है। इसके स्थान पर एक नया कानून 'श्इत्र्‌ रामजी' लाया गया है,

कानून का कड़ा विरोध कर रही है। पार्टी का कहना है कि यह कानून काम के अधिकार को खत्म कर देगा, क्योंकि काम अब चुनी हुई पंचायतों में केवल अनुमति पर आधारित होगा। इसके तहत बजट भी सीमित कर जो देश के मजदूरों के हित में नहीं है।वाहिद अली ने जोर देकर कहा कि मनरेगा कोई दान नहीं, बल्कि एक कानूनी गारंटी है। इसने देश के करोड़ों सबसे गरीब लोगों को उनके अपने गांवों में काम दिलाया, जिससे भूख और मजबूरी में पलायन कम हुआ। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण मजदूरी बढ़ी और महिलाओं की आर्थिक गरिमा मजबूत हुई।कांग्रेस पार्टी 'VBG रामजी' नामक इस नए दिया जाएगा, जिससे संकट के समय या पैसा खत्म होने पर काम बंद हो जाएगा।कांग्रेस का मानना है कि यह कदम देश के करोड़ों मजदूरों और उनके संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। गजरौला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय सत्याग्रह का आयोजन किया और इसी दौरान यह ज्ञापन वीडीओ प्रतिभा अग्रवाल को सौंपा।

धनौरा सीएचसी परिसर में 'विकसित भारत अभियान' के तहत कार्यक्रम का आयोजन

जनपद को कुष्ठ मुक्त एवं भेदभाव मिटाने की ली गई सामूहिक शपथ

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 'विकसित भारत अभियान' के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा दिया गया संदेश स्पष्ट रूप से पढ़ा गया एवं स्वास्थ्य केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जनपद को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने एवं कुष्ठ रोग से समाज में फैल रहे भेदभाव को पूरी तरह समाप्त करने की सामूहिक शपथ ली गई। बता दें कि शुक्रवार को आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में साझा किए गए जिलाधिकारी के संदेश में स्पष्ट किया गया कि कुष्ठ रोग का उपचार संभव है और इसकी पहचान करना बेहद आसान है। जिला प्रशासन ने संकल्प दोहराया कि जनपद में कुष्ठ रोगियों की जल्द से जल्द पहचान करने के

लिए हर संभव संसाधन का उपयोग किया जाएगा।शपथ ग्रहण के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि समाज में कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के प्रति होने वाले भेदभाव को जड़ से खत्म किया जाए। कर्मचारियों ने 'भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें' के संकल्प के साथ प्रभावित व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा में लाने का वचन लिया।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एकजुटता दिखाई। डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि विभाग का लक्ष्य केवल बीमारी का इलाज करना नहीं है, बल्कि इससे जुड़े सामाजिक कलंक (स्टिग्मा) को भी मिटाना है, ताकि कोई भी रोगी इलाज कराने से न डरे।इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. सीमा, डॉ. परवेज, डॉ. शिरीन, डॉ. अनामिका, शैली यादव, विनोद कुमार, अभिषेक वर्मा, संदीप सैनी, सोनम रस्तोगी, अमित कुमार, मनवीर सिंह, मोहित कुमार, सरोज, अनीता, सोनिका चौधरी, रविशंकर और प्रशांत कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
शनिवार 31 जनवरी 2026
www.sabkasapna.com

मिशन शक्ति 5 अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बलिकाओं को क्या गया जागरूक

पम्पलेट वितरित कर हेल्पलाइन नम्बरों से कराया गया

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/ बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्यमिशन शक्ति

5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया तथा थाना संभल में एमजीएम कॉलेज के छात्रों को स्पेल 3.0 को पूर्ण करने के लिए आज थानों पर बुलाकर छात्रों के रजिस्ट्रेशन व वेरीफिकेशन किए गए और स्पेल प्रोग्राम की कक्षाएं शुरू करने की जानकारी भी दी गई । मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी दी गई देकर उन्हें साइबर फ्रॉड के बारे में बताया गया एव होने वाले साइबर फ्रॉड डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में भी जानकारी दी गई ।

बहजोई महाविद्यालय प्रबंधक समिति चुनाव में नामांकन प्रक्रिया संपन्न, 26 नामांकन पत्र हुए दाखिल

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद स्थित महाविद्यालय की प्रबंधक समिति के चुनाव को लेकर शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए कुल 26 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिससे महाविद्यालय परिसर में चुनावी माहौल गरमा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र जमा किए हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए तीन, कोषाध्यक्ष पद के लिए भी तीन प्रत्याशियों ने दावेदारी पेश की है। इसके अलावा प्रबंधक पद के लिए दो नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। प्रबंध समिति के शेष सात सदस्य पदों के लिए प्रत्येक पद पर दो-दो नामांकन दाखिल किए गए हैं, जिससे इन पदों पर भी सीधा मुकाबला देखने को मिल सकता है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 31 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच, आपत्ति एवं नाम वापसी की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि किन पदों पर चुनाव होगा और किन पर निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बनेगी। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए चुनाव पर्यवेक्षक ए. के. सिंह नियुक्त किए गए हैं, जबकि पीठासीन अधिकारी के रूप में लवमोहन एडवोकेट चुनाव संचालन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। प्रशासन की ओर से पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान महाविद्यालय परिसर में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की मौजूदगी बनी रही, हालांकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। चुनाव को लेकर मतदाताओं और शिक्षण समुदाय में खासा उत्साह देखा जा रहा है। अब सभी की निगाहें 31 जनवरी पर टिकी हैं, जब नाम वापसी के बाद चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

कलक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न विभागों का किया गया औचक निरीक्षण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी द्वारा संयुक्त कार्यालय कलक्ट्रेट, कलक्ट्रेट के कंट्रोल रूम, राजकीय कृषि रक्षा ईकाई, जिला पशु चिकित्सा अधिकारी, बाल कल्याण समिति,खनन विभाग,जिला विकास अधिकारी कार्यालय, खण्ड विकास अधिकारी बहजोई कार्यालय,जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय,परियोजना निदेशक डीआरडीए कार्यालय,जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय,तथा वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित पंजिका का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा वन स्टाप सेन्टर के निरीक्षण दौरान साफ सफाई ठीक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त

की तथा संबंधित को साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। वन स्टाप सेन्टर के टूटे फर्श की मरम्मत, बिस्तर एवं चादरें तथा फर्नीचर की साफ सफाई को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि वन स्टाप सेन्टर पर रात के समय प्रवास करने वाली किशोरियों, युवतियों, व महिलाओं को सर्दी के कारण कोई परेशानी न हो। जिलाधिकारी द्वारा जिला पशु चिकित्सा अधिकारी एवं अधीनस्थ अधिकारियों के अनुपस्थित रहने , बाल कल्याण समिति के प्रभारी अधिकारी एवं उनके अधीनस्थों के अनुपस्थित रहने तथा खनन निरीक्षक तथा उनके अधीनस्थों, खण्ड विकास अधिकारी एवं अधीनस्थ, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं उनके अधीनस्थों के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत कलक्ट्रेट सभागार में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन धारण किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजनौर में केमिस्ट एसोसिएशन ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर, सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- नकली और अधोमानक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संगठन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में केमिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि बाजार में नकली और घटिया गुणवत्ता की दवाओं की मौजूदगी आम लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। संगठन ने मांग की कि प्रत्येक

दवा बैच के निर्माण के तुरंत बाद उसकी अनिवार्य और समयबद्ध प्रयोगशाला जांच कराई जाए। जब तक दवा सभी मानकों पर पूरी तरह खरी न उतरे, तब तक उसे बाजार में बिक्री की अनुमति न दी जाए। एसोसिएशन का कहना है कि दवा निर्माण इकाइयों की निगरानी करने वाले अधिकारियों की इस प्रक्रिया में स्पष्ट जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे। संगठन ने यह भी मांग की कि नकली दवाओं के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और लाइसेंस रद्द करने जैसी कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाए। प्रदर्शन के दौरान केमिस्टों ने कहा कि वे न केवल व्यापार से जुड़े हैं, बल्कि समाज की सेहत की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि नकली दवाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हुआ तो आम जनता का दवाओं पर से भरोसा टूट सकता है। ज्ञापन सौंपते समय संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

साफ-सफाई, सुरक्षा और सीसीटीवी व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने शुक्रवार को सम्भल के शहजादी सराय स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाऊस में रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और लॉग बुक सहित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाऊस परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा

सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के सुचारु संचालन, रिकॉर्डिंग व्यवस्था और प्रवेश-निकास रजिस्टर (लॉग बुक) को अद्यतन रखने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाऊस की सुरक्षा और पारदर्शिता चुनावी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य है। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ. मणिभूषण तिवारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जिलाधिकारी को वेयरहाऊस की वर्तमान स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी नियमित निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए।

बिल्सी पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बिल्सी/बदायूँ (सब का सपना):- एसएसपी बदायूं के निर्देशन में बिल्सी पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया ' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन में बिल्सी पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया ' थाना

बिल्सी प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में उप निरीक्षक मोहित नैन ने पुलिस टीम के साथ धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त, कासिम पुत्र बुद्धु निवासी ग्राम खेडा नवादा थाना सिविल लाइन जनपद बदायूँ को दातागंज तिराहे से गिरफ्तार किया गया।

22 फरवरी को होगा मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन

बदायूँ (सब का सपना):- अपर जनपद न्यायाधीश/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेशानुपालन में एवं जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के आदेशानुक्रम में 22 फरवरी 2026 को मेगा/ बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर के आयोजन के सन्दर्भ में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मेगा शिविर में समस्त प्रशासनिक विभागों से समन्वय स्थापित कर उ०प्र० शासन के अन्तर्गत संचालित समस्त विभागों द्वारा आम जनमानस के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की जन-लाभकारी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किये जाने वाले पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जायेगा। इसी कम में अवगत कराना है कि 22 फरवरी 2026 को मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के सफल आयोजन हेतु आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक प्रचार-प्रसार पप्पलेट, पोस्टर, बैनर इत्यादि प्रचार सामिग्री के माध्यम से किया जा रहा है।

बहजोई पुलिस ने अवैध तमंचा सहित एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में शुक्रवार को जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध व अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस को सफलता मिली है। थाना बहजोई पुलिस टीम ने ग्राम अतरासी से एक अभियुक्त विपिन पुत्र संजू को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक

कारतूस (315 बोर) बरामद किया गया। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना बहजोई पर अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संत कुमार, उप निरीक्षक नरेन्द्र कुमार एवं हेड कांस्टेबल आशीष त्यागी शामिल रहे। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शस्त्रों के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी प्रकार लगातार जारी रहेगा।

डीएम, एसएसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बदायूँ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अवनीश राय ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ जिला कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों की स्थिति तथा व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लेना रहा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला कारागार के विभिन्न बैरकों, प्रवेश द्वार, सुरक्षा घेरे, रसोईघर,

चिकित्सालय, मुलाकात कक्ष एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण में किसी भी प्रकार की कोई आपत्तिजनक वस्तु, प्रतिबंधित सामग्री का मिलना प्रकाश में नहीं आया। जिलाधिकारी ने कारागार प्रशासन को निर्देश दिए कि बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं नियमानुसार उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएसपी बृजेश कुमार सिंह, कारागार अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने छोटा हाथी चोरी का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह और क्षेत्राधिकारी चन्दौसी मनोज कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना चन्दौसी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना चन्दौसी पुलिस ने मुकदमा में वांछित दो अभियुक्तों आरिफ पुत्र अबरार हुसैन और हसैनुद्दीन उर्फ हसैन पुत्र आबिद को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने 25 जनवरी को मौहल्ला जारई गेट स्थित गोदाम से छोटा हाथी चोरी करने की घटना स्वीकार की। पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की

मदद से चोरी गए वाहन का रूट ट्रेस कर आरोपियों को चोरी किए गए छोटा हाथी, घटना में प्रयुक्त कार और मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे किराये पर माल ढोने का काम करते हैं और जरूरत के चलते चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एटीएम में स्टिक प्लेट लगाकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया खुलासा, चन्दौसी से दबोचा गया आरोपी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में एटीएम से ठगी की एक संगठित और तकनीकी तरीके से की जा रही घटना का सफल अनावरण किया गया है। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी को फर्स्ट इंडिया इंडिया फर्स्ट नामक एटीएम संचालन करने वाली कंपनी के कर्मचारी दीपांशु कश्यप द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति रोजाना एटीएम मशीन में ट्रांजैक्शन के दौरान घोटाले को अंजाम दे रहा है। शिकायत के अनुसार, ग्राहक द्वारा ट्रांजैक्शन करने पर पैसे बाहर नहीं निकलते थे, लेकिन विड्रॉल की रसीद जरूर निकल जाती थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस ने

फेस आईडी वेरिफिकेशन के माध्यम से संदिग्ध को चिन्हित किया और उसे चन्दौसी से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी की पहचान आदित्य पुत्र मदनलाल,के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी एटीएम के कैश आउटलेट पर लोहे या एल्युमिनियम की स्टिक प्लेट चिपका देता था, जिससे मशीन से निकलने वाले पैसे प्लेट से चिपक जाते थे। ग्राहक के चले जाने के बाद आरोपी वापस आकर पैसे निकाल लेता था। जांच में सामने आया है कि आरोपी पूर्व में सहारनपुर से इसी तरह की घटना में जेल जा चुका है और यह इस प्रकार के अपराध में उसका दूसरा खुलासा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसपी सम्भल ने आम जनता को हिदायत देते हुए कहा कि एटीएम से पैसा निकालते समय यह जरूर जांच लें कि कार्ड स्लॉट पर कोई अतिरिक्त कार्ड रीडर न लगा हो, पिन डालने वाली जगह पर कोई संदिग्ध कैमरा न हो,और कैश निकलने वाली जगह पर कोई प्लेट या पट्टी न लगी हो।
पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

शराब पार्टी के दौरान एक युवक की मौत से मचा हड़कंप, तीन की हालत गंभीर

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना);- स्टेशन रोड पर स्थित एक कमरे में शराब और चिकन का सेवन कर रहे चार दोस्तों को अचानक तमियत बिगड़ गई। जिसमें एक दोस्त की मौके पर ही मौत ही गई। मौत से पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सीओ नितेश प्रताप सिंह, थाना प्रभारी राहुल कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और तीन दोस्तों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां दो दोस्तों की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें हायर सेंटर भेजा गया। मौके का पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण किया और पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। कमरे से पुलिस को शराब की बोतल खाने पीने का सामान भी मिला। मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक टीम ने शराब और अन्य सामान को लेकर जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है। शब को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। बीती रात्रि स्टेशन मार्ग पर जनाने अस्पताल के निकट एक कमरे में चार दोस्त नौशाद, कामरान, अफसार और चन्द्र प्रकाश शराब पार्टी कर रहे थे उन्होंने कमरे में शराब पी और चिकन खाया, उसके खाने के बाद चारों की हालत बिगड़ने लगी तो एक दोस्त ने एक देस्त के पर फोन कर हालत बिगड़ने की सूचना देते हुए पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची तो तब तक नौशाद निवासी जलालाबाद की मौत हो चुकी थी। तीनों दोस्तों की हलक भी नाजुक बनी हुई थी। पुलिस ने तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां अफसार, कामरान निवासी संतीमालन नजीबाबाद और चंद्र प्रकाश निवासी जोगीरम्पुरी कोहायर सेंटर रेफर किया गया। मौके पर सीओ नितेश प्रताप सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार, एसडीएम शैलेन्द्र सिंह, पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई और मौके से बरामद शराब आने समान के सैंपल जांच के लिए भेज दिए गए। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, एसपी सिटी मौके पर पहुंचे और घटना का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस कसान ने मीडिया को बताया कि हर एक पहलू पर जांच की जा रही है। शराब की भी जांच की जाएगी। पुलिस जांच में जुटी है।

जहरीली शराब पीने से तो नहीं हुई युवक की मौत

नजीबाबाद में एक कमरे में चार दोस्तों के शराब पार्टी में शराब के सेवन और चिकन खाने से एक युवक की मौत का कारण कहीं जहरीली शराब तो नहीं है? शराब कहां से खरीदी गई और कौन लाया था? यह जांच का विषय है। कहीं आपस में किसी की कोई तो नहीं थी। क्या इस से पूर्व भी यह दोस्त आपस में बैठ कर शराब पार्टी करते थे? मृतक नौशाद निवासी जलालाबाद जो कि बच्चों के खिले की दुकान महिला चिकित्सालय के निकट करता था। क्षेत्रीय व्यापारियों में उसकी मौत को लेकर अफसोस है। उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने भी नौशाद की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और पुलिस से जांच की मांग की है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा बैठक आयोजित

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी कौर ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक स्कूल में छात्राओं के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था करें साथ ही उसमें पानी की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संपूर्णता अभियान-0.2 के अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग सहित जिन विभागों के इंडिकेटर अद्यतन नहीं है, तत्काल उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता करना न बरतें। उन्होंने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्वयं समस्त विद्यालयों में एकेडमिक भ्रमण करना सुनिश्चित करें तथा जहां भी कोई कमी पाई जाती है तो उस कमी को प्राथमिकता के आधार पर दूर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारीयों को निर्देशित किया कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत जिन स्कूलों में निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विद्यालयों का निरीक्षण कर अपूर्ण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब की मॉनिटरिंग करें तथा यह भी देखना सुनिश्चित करें कि लैब में कितने कंप्यूटर हैं और कितन ठीक प्रकार से संचालित हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी कंप्यूटर लैब में कोई समस्या उत्पन्न हो रही हो तो तत्काल उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा परिषदीय विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के निर्धारित मानकों स्वच्छ पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, रैंप, खेल सामग्री,पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को शेष कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना, डीसी मनरेगा सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी एवं खंड शिक्षा शिक्षा अधिकारी मौजूद थे।

खाकूनगला में वाटरशेड महोत्सव का आयोजन

जल संरक्षण व किसान सशक्तिकरण का दिया संदेश

स्योहारा/बिजनौर(सब का सपना): ये विकासखंड बुढनपुर मे जलागम विकास घटक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) 2.0 के अंतर्गत संचालित परियोजना डब्ल्यूडीसी1 के माइक्रो वाटरशेड कोड बल्लानगला के राजस्व ग्राम खाकूनगला में वाटरशेड महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जसवीर सिंह तेवतिया भूमि संरक्षण अधिकारी बिजनौर एवं जलागम समिति के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान नफीस अहमद द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी बिजनौर के निर्देशक योगेंद्र पाल सिंह, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप ए) केशव कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक प्रतिमा गुप्ता, परियोजना क्षेत्र अंतर्गत समस्त माइक्रो वाटरशेड कोड के अध्यक्ष/ग्राम प्रधान, भूमि संरक्षण इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, विभिन्न विभागों से आए अधिकारी/कर्मचारी, स्वयं सहायता समूह, एफपीओ, वाटरशेड समिति के सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।महोत्सव के अंतर्गत भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट एवं अग्रणी कृषकों को सम्मानित किया गया, साथ ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उनके सराहनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा, वृक्षारोपण, श्रमदान जैसे जनभागीदारी से जुड़े कार्य संपन्न कराए गए। जिससे जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में जीर्णोद्धारित कराए गए तालाब का लोकार्पण किया गया। जो क्षेत्र में जल संचयन एवं भू-जल स्तर सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कार्यक्रम के समापन से पूर्व नए विकास कार्यों का भूमि पूजन कर विधिवत शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में भूमि संरक्षण अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो का आभार व्यक्त करते हुए वाटरशेड महोत्सव के समापन की घोषणा की।यह वाटरशेड महोत्सव जल संरक्षण, सतत कृषि, महिला सशक्तिकरण एवं सामुदायिक सहभागिता का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा, जिससे क्षेत्र में कृषक हित, जल प्रबंधन और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली।

सरकारी नाले को पाट कर कॉलोनी काट रहा है कॉलोनीनाइजर, अधिकारी खामोश

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कॉलोनाइजर द्वारा अपने निहित स्वार्थ के लिए सरकारी नाले पर बिना अनुमति के पुलिया बना कर कॉलोनी काट रहे कॉलोनाइजर को नगर पालिका द्वारा अंतिम नोटिस दिये जाने के बाद भी नवनिर्मित पुलिया न टूटने एवं पुलिया निर्माण का मामला नगर में खूब चर्चा का विषय बना हुआ है । जानकारी के अनुसार धामपुर मार्ग फोर लेन सड़क स्थित विकसित की जा रही एक कालोनी में निजी लाभ के लिए संबंधित कॉलोनाइजर द्वारा नगर पालिका की बिना अनुमति के पुलिया का निर्माण करा दिया गया जिसका कुछ वार्ड सभासदों द्वारा जमकर विरोध करते हुये पुलिया को तुड़वाने की मांग की गई थी सभासदों के विरोध पर मामले में नगरपालिका द्वारा कॉलोनाइजर को नोटिस भी दिये गये लेकिन कॉलोनाइजर ने नोटिस पर कोई अमल नहीं किया तथा अंतिम नोटिस दिये जाने के बाद भी पुलिया नहीं टूटी , शुरू में तो कई सभासदों द्वारा पुलिया तुड़वाने के लिये खूब हाथ पैर फेंके गये लेकिन अचानक सब शांत हो गये , बताया जा रहा है कि मामले में कुछ लोगों ने खूब फील गुड किया और मामले को दबा दिया गया है , फील गुड होने पर ही शायद पुलिया का विरोध करने वाले अब शांति की सांस ले रहे है ,कॉलोनाइजर द्वारा बिना परमिशन के नाले पर बनाई गई पुलिया ज्यों की त्यों खड़ी है,

नगर पालिका के संबंधित लिपिक द्वारा मामले में सिर्फ इतना ही बताया गया कि मामले में संबंधित कॉलोनाइजर को नोटिस जारी किए गए थे लेकिन आगे की कार्यवाही नगर पालिका के अधिकारियों पर निर्भर है ,उन्होंने मामले में की गई कार्रवाई व मामला निबटने न निबटने के संबंध में कोई भी अगली बात बताने में असमर्थता जताई ,उधर नगर पालिका के ही कई सभासद मामले की शिकायत डीएम से किये जाने की बात करते दिखाई दे रहे हैं।

यूजीसी कानून के खिलाफ पर्वतीय जन विकास समिति ने मुख्यमंत्री के नाम विधायक को सौंपा ज्ञापन

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- यूजीसी द्वारा लागू किए गए नए कानून के विरोध में पर्वतीय जन विकास समिति ने कड़ा रुख अपनाते हुए उसे तत्काल निरस्त करने की मांग की है। शुक्रवार को समिति के अध्यक्ष विनोद काला के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह को सौंपा। इस दौरान समिति ने यूजीसी के नए नियम को संविधान विरोधी बताते हुए इसे भारतीय समाज को तोड़ने की साजिश करार दिया। समिति अध्यक्ष विनोद काला ने कहा कि दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों के अधिकारों की रक्षा बेहद जरूरी है, लेकिन नियम बनाते समय सामाजिक संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी का नया कानून सामान्य वर्ग के उत्पीड़न का माध्यम बन सकता है, जिससे समाज में असंतोष और विभाजन की स्थिति पैदा होगी। उन्होंने कहा कि यूजीसी का मूल उद्देश्य भेदभाव को समाप्त करना होना चाहिए, न कि किसी वर्ग को असुरक्षित महसूस कराना। भारतीय न्याय संहिता में पहले से ही भेदभाव से जुड़े मामलों के लिए स्पष्ट प्रावधान मौजूद हैं, ऐसे में अलग से समता समिति गठित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ज्ञापन में मांग की गई कि यूजीसी द्वारा लाया गया यह कानून तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि किसी प्रकार की समिति का गठन किया जाता है, तो उसका उद्देश्य केवल भर्तियों और पदोन्नति में आरक्षित वर्ग के चयन को सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व प्रधान विनोद कुमार काला, सुनील कुमार धस्माना,बालम सिंह, हरेंद्र सिंह गोसाई, प्रतीम सिंह रोतेला, विनय काला, रघुवीर सिंह बिष्ट, धीरज सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस स्टैंड व मंडी निर्माण के लिए रामपुर सांसद ने सीएम को लिखा पत्र

बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा में बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों को गति दिलाने के लिए एक बार फिर ठोस प्रयास सामने आया है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष फैसल वारसी के आग्रह पर रामपुर लोकसभा सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर स्योहारा में प्रस्तावित बस स्टैंड, सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण को लेकर शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया है। सांसद द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि स्योहारा नगर पालिका परिषद द्वारा मुरादाबाद रोड स्थित सरकारी भूमि पर बस स्टैंड निर्माण हेतु 05 बीघा तथा सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लिए 12 बीघा भूमि का विधिवत प्रस्ताव पारित कर जिलाधिकारी बिजनौर और राजस्व विभाग को पहले ही अनुमोदन के लिए भेजा जा चुका है। पत्र में यह भी चिंता जताई गई है कि प्रस्तावित सरकारी भूमि पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, जिससे न केवल जनहित की इस महत्वपूर्ण परियोजना में बाधा उत्पन्न हो रही है, बल्कि भविष्य में भूमि विवाद और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी पैदा हो सकती है। पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया है कि अवैध कब्जों से भूमि को सुरक्षित कराते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र निर्देश दिए जाएं, ताकि बस स्टैंड और अन्य विकासात्मक निर्माण कार्य समय रहते प्रारंभ हो सकें। सांसद ने यह भी रेखांकित किया है कि स्योहारा नगर में स्थायी बस स्टैंड के अभाव में आम जनता को यातायात जाम, अव्यवस्थित परिवहन और असुरक्षा जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित परियोजनाएं यातायात व्यवस्था, व्यापार, रोजगार और नागरिक सुविधाओं की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी के आग्रह पर सांसद चंद्रशेखर आजाद, सांसद रुचि वीरा और सांसद इमरान मसूद द्वारा मुख्यमंत्री को इसी मांग को लेकर पत्र लिखे जा चुके हैं। यह दशार्ता है कि फैसल वारसी नगर के विकास को लेकर लगातार सक्रिय हैं और हर स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उनके इन प्रयासों की सराहना की जा रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर स्योहारा को बड़ी विकास सौगात देगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट, पात्रों को नहीं अपात्रों को मिले आवास

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- समाज सेवी दीवाकर राजपूत ने मुख्यमंत्री समेत कई आला अफसरो को शिकायती पत्र भेजकर प्रधानमंत्री नगर पालिका कर्मी व डूडा विभाग के जेई पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ अपात्रों को दिलाने का आरोप लगाया और कहा कि अपात्रों के नाम आना जीता जागता रिश्वतखोरी का प्रमाण है। उन्होंने जिन लाभार्थियों के नाम मकान आए हैं उनकी जांच व अवैध वसूली करने वाले संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंडल आयुक्त मुरादाबाद, एवं जिलाधिकारी बिजनौर को भेजी शिकायत में दिवाकर कुमार ने कहा है की भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र में 545 आवास आए हैं, उन्होंने कहा कि डूडा विभाग के जेई, नगर पालिका के सभासदो एव नगर पालिका कर्मचारियों से मिलकर ऐसे लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया गया है जिनके लाखों लाखों रुपए की लागत से बने आलीशान मकान है जो पहले से ही बने हुए हैं। जबकि नगर पालिका वार्डो, मोहल्लों में कच्चे मकानो में रह रहे गरीब, असहाय, बेबस, मकानहीन, और मजदूरों जो पात्रता की श्रेणी मे आते हैं उनको आवास योजना का लाभ नहीं दिलाया गया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि जिन लोगों के आवास आए हैं उनसे डूडा विभाग के जेई, वार्ड सभासद और नगर पालिका कर्मचारी 25 से 30 हजार रुपए तक की अवैध वसूली कर रहे हैं जिनमें कुछ सभासदों के नाम भी सुर्खियों में है और पालिका कर्मचारियों के भी। पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नगर पालिका के निर्वाचित सभासदों ने अपने और अपने निजी परिजनो के नाम आवास योजना का लाभ लिया है। पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि जिन अपात्र लाभार्थियों के नाम आवास आए हैं पालिका कर्मचारी एवं डूडा विभाग के जेई घर-घर जाकर उनसे 25 से 30 हजार रुपए तक अवैध वसूली कर रहे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंडेला आयुक्त, व जिलाधिकारी से मोहल्ला चौधराना, पहाड़ी दरवाजा, मनिहारी सराय, शेख सराय, लाल सराय, लोहारी सराय, मनिहारी सराय, मोहल्ला जति, आजाद कॉलोनी लाइन पार, समेत सभी 25 वार्डों में जिन अपात्र लाभार्थियों के नाम आवास है उनकी जांच कराने, और जांच में सही पाए जाने पर अपात्रों एवं अवैध वसूली कर रहे पालिका कर्मचारी एवं डूडा विभाग के जेई व उन सभासदों के विरुद्ध कार्रवाई कर आवास योजना के नाम से दी गई धनराशि वापस कराए जाने की मांग की है।

कांवड़ यात्रा पर लापरवाही बर्दास्त नहीं डीएम जसजीत कौर

सुरक्षा, सफाई, बिजली, रूट डायवर्जन पर सख्त आदेश

बिजनौर (सब का सपना):- महाशिवरात्रि कांवड़ यात्रा को लेकर बिजनौर प्रशासन ने पूरी मशीनरी अलर्ट पर डाल दी है। डीएम जसजीत कौर और एसपी अभिषेक झा ने मोटे महादेव मंदिर पहुँचकर हाई-लेवल समीक्षा बैठक की और साफ संदेश दिया कि कांवड़ यात्रा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में सड़क सफाई, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुलभ शौचालय, निर्बाध बिजली और कांवड़ मार्ग पर साइन बोर्ड लगाने के तत्काल आदेश जारी किए गए। गुलदार प्रभावित इलाकों में वन विभाग को विशेष गश्त के निर्देश दिए गए हैं। एसपी अभिषेक झा ने सुरक्षा को लेकर बड़ा प्लान लागू करते हुए कांवड़ मार्ग के संवेदनशील पॉइंट्स पर भारी पुलिस तैनाती, चौराहों पर सीसीटीवी निगरानी और सख्त रूट डायवर्जन व्यवस्था का ऐलान किया। यात्रा के दौरान लगातार पुलिस पेट्रोलिंग रहेगी ताकि लाखों शिवभक्तों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। व्यवस्थाओं में कोताही पर सख्त कार्रवाई होगी। बिजनौर अब कांवड़ यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार है और प्रशासन की नजर हर चप्पे पर रहेगी।

दिल्ली में दो मंजिला इमारत से गिरकर अफजलगढ़ के युवक की मौत

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला नेजो सराय निवासी एक 25 वर्षीय युवक की दिल्ली में दो मंजिला इमारत से गिरकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। युवक की असामयिक मौत से नगर में शोक की लहर दौड़ गई और शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। मृतक की पहचान शादाब सलमानी (25) पुत्र साबिर, निवासी मोहल्ला नेजो सराय, अफजलगढ़ के रूप में हुई है। बताया गया कि शादाब सलमानी दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र में रहकर एक सैलून में हेयर कटिंग का कार्य करता था और इसी से अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। मृतक के मामा के बेटे समीर सलमानी ने बताया कि गुरुवार की सुबह करीब छह बजे शादाब उत्तम नगर स्थित दो मंजिला इमारत की छत से नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन दिल्ली पहुंच गए। शादाब सलमानी के शव का दिल्ली में पोस्टमार्टम कराया गया।

परिजनों के अनुसार शव शुक्रवार देर रात तक अफजलगढ़ पहुंचने की संभावना है, जबकि शनिवार को मोहल्ला नेजो सराय स्थित मदरसे में नमाज-ए-जनाजा अदा की जाएगी। युवक की मौत की खबर मिलते ही नगरवासियों ने मृतक के आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

एचकेआरएनएल ने सिरसा रोडवेज के कंडक्टर को किया बर्खास्त, जानें क्या है बड़ी वजह

सिरसा : हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) ने सिरसा रोडवेज में तैनात एक कंडक्टर को गंभीर अनुशासनहीनता के आरोपों के चलते बर्खास्त कर दिया है। कंडक्टर पर आरोप था कि वह चलती बस में ड्यूटी के दौरान इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाकर अपलोड करता था, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और प्राइवेसी खतरे में पड़ सकती थी। इसके साथ ही उस पर बस में सवार यात्रियों से अभद्र व्यवहार करने के भी कई आरोप सामने आए थे। रोडवेज सिरसा डिपो के महाप्रबंधक अनित कुमार यादव ने बताया कि रोडवेज विभाग के अनुसार कंडक्टर की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। यात्रियों ने आरोप लगाया कि कंडक्टर टिकट जांच और ड्यूटी के समय मोबाइल फोन में व्यस्त रहता था और कई बार आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग भी करता था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए कुछ वीडियो में वह वर्दी में ही अनुशासनहीन हरकतें करता दिखाई दिया, जिससे विभाग की छवि को भी नुकसान पहुंचा। इसके साथ ही आरोपी कंडक्टर कई दफा बस भी चलाता हुआ पाया गया था जिसकी वीडियो कंडक्टर द्वारा ही इंस्टाग्राम पर अपलोड की गई थी जबकि नियम अनुसार कंडक्टर आपातकालीन

स्थिति के अलावा बस नहीं चला सकता। बताया जा रहा है कि आरोपी कंडक्टर द्वारा एक किन्नर, पुलिसकर्मी और एक अन्य सरकारी कर्मचारी के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया था जिसकी शिकायत रोडवेज विभाग को दी गई। जिसके बाद आरोपी कंडक्टर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू हुई। कंडक्टर के खिलाफ एक बार पहले भी कार्रवाई की गई थी। 2025 के अक्टूबर महीने में कंडक्टर को रोडवेज विभाग द्वारा सस्पेंड किया गया था लेकिन कंडक्टर ने कोर्ट की शरण ली जिसके बाद कोर्ट ने सिरसा रोडवेज को दोबारा से जांच करने के आदेश दिए और अब एचकेआरएनएल विभाग ने आरोपी कंडक्टर को टर्मिनेट यानि बर्खास्त कर दिया गया। कंडक्टर पर रोडवेज विभाग के ट्रैफिक मैनेजर को धमकी देने का भी आरोप मामला यहीं तक सीमित नहीं रहा। कंडक्टर पर रोडवेज विभाग के ट्रैफिक मैनेजर को धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। बताया गया कि विभागीय कार्रवाई से नाराज होकर उसने ट्रैफिक मैनेजर के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें परिणाम भुगतने की धमकी दी। इस घटना के बाद विभाग ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया और उच्च अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट भेजी। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कंडक्टर ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के बाद मामला और ज्यादा संवेदनशील हो गया। विभागीय नियमों के अनुसार किसी भी सरकारी या अर्ध-सरकारी कर्मचारी द्वारा सोशल मीडिया पर इस तरह की टिप्पणी करना आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है। एचकेआरएनएल और रोडवेज विभाग ने संयुक्त रूप से मामले की जांच की।

हरियाणा लोक सेवा आयोग ने जारी किया कोषागार अधिकारी प्रीलीम्स परीक्षा का संशोधित परिणाम, एक फरवरी को होगा मेन्स

पंचकूला। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ने कोषागार अधिकारी और सहायक कोषागार अधिकारी के 35 पदों के लिए आयोजित प्रारंभिक परीक्षा का संशोधित परिणाम घोषित कर दिया है। पूर्व में रद की गई मुख्य परीक्षा अब एक फरवरी को होगी। एचपीएससी को दूसरी बार परीक्षा परिणाम को संशोधित करना पड़ा है। पिछले साल दो नवंबर को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम पहले 19 नवंबर को घोषित किया गया था। मामले में कानूनी पेंच और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के चलते उस रिजल्ट को वापस लेना पड़ा। पहले जारी परिणाम में 927 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया था, लेकिन संशोधित परिणाम में यह संख्या घटकर 910 रह गई थी। हाई कोर्ट के निर्देश पर जारी संशोधित परिणाम में 967 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। संशोधित लिस्ट के कारण 60 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा की दौड़ में फिर से शामिल हो गए हैं। कोषागार अधिकारी के पांच पदों में से सामान्य वर्ग के लिए दो पद हैं, जबकि अनुसूचित जाति (एससी), पिछड़ा वर्ग-ए (बीसीए) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए एक-एक पद हैं। इसी तरह सहायक कोषागार अधिकारी के 30 पदों में सामान्य वर्ग के लिए 16 पद हैं। इसके अलावा एससी के लिए छह, बीसीए के लिए चार, बीसीबी के लिए एक और ईडब्ल्यूएस के लिए तीन पद आरक्षित हैं।

जुलाना पुलिस की नशा तस्करों पर बड़ी कार्यवाही, लाखों की चरस के साथ पकड़ा गया तस्कर

जुलाना : जुलाना में पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्यवाही करते हुए नशा तस्कर को लाखों रुपए की चरस के साथ काबू किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा वीरवार को क्षेत्र में गश्त की जा रही थी। उस समय पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति करेला गांव के पास खड़ा है, जिसके पास नशीला पदार्थ है। सूचना मिलते ही पुलिस ने वहां पर रेड की तो एक व्यक्ति करेला- झमोला गांव के स्कूल के पास खड़ा हुआ मिला। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास 1.15 किलोग्राम चरस बरामद हुई, जिसकी मार्केट में कीमत लगभग 250000 रुपए बताई जा रही है। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान धर्मेंद्र वासी करेला जिला जींद के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए जुलाना थाना पर प्रभारी विक्रम जोसन ने बताया कि पुलिस द्वारा जुलाना क्षेत्र में वीरवार को गश्त की जा रही थी। इस समय पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली कि जुलाना से हांसी रोड पर करेला-झमोला गांव के स्कूल के पास एक व्यक्ति खड़ा हुआ है जो नशीले पदार्थ का कारोबार करता है। जिस पर पुलिस ने तुरंत जुलाना से हांसी रोड पर रेड की इस समय पुलिस को करेला-झमोला गांव के स्कूल के पास एक व्यक्ति संदिग्ध व्यक्ति खड़ा मिला जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास एक किलो 15 ग्राम चरस नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है, जिसके चलते आरोपी को आज माननीय अदालत में पेश किया जाएगा।

हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों में 12वीं तक फ्री में पढ़ सकेंगे छात्र, 30 मार्च तक करें आवेदन; क्या है शर्तें?

पंचकूला। हरियाणा में अब अधिकतम आठ लाख रुपये तक वार्षिक कमाई वाले परिवारों के बच्चे भी निजी स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई कर सकेंगे। शिक्षा विभाग ने मुख्यमंत्री हरियाणा समान शिक्षा राहत, सहायता एवं अनुदान (चिराग) योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु दाखिले की प्रकिया शुरू करने के लिए मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों से 15 फरवरी तक आवेदन मांगे हैं। संबंधित स्कूलों को एक से 15 अप्रैल के बीच दाखिला प्रक्रिया पूरी करनी होगी। गरीब बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति सरकार करेगी। मौलिक शिक्षा निदेशालय की ओर से नए शैक्षणिक सत्र में चिराग योजना के तहत दाखिलों को लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है। छठी से बारहवीं में दाखिले करने के लिए मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय अपनी सहमति विभाग की वेबसाइट

पर दर्ज करवा सकते हैं। इन विद्यालयों की कक्षा अनुसार घोषित सीटों का विवरण विभाग द्वारा विभागीय वेबसाइट और पोर्टल पर दशार्या जाएगा। 30 मार्च तक करें आवेदन संबंधित विद्यालय रिक्त सीटें 10 मार्च से नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करेगा। अभिभावक और छात्र दाखिले के लिए 13 मार्च से 30 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। जिन विद्यालयों में सीटों से ज्यादा आवेदन प्राप्त होंगे, एक से पांच अप्रैल के बीच ड्रा निकाले जाएंगे। अभिभावकों की उपस्थिति में ड्रा निकाला जाएगा। सभी विद्यालय एक से 15 अप्रैल तक दाखिले की प्रकिया संपन्न कर सफल छात्रों की सूची विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर दशाएंगे। फिर रिक्त बची सीटों पर प्रतीक्षा सूची के छात्रों के दाखिले 16 से 30 अप्रैल तक किए जाएंगे। विद्यालयों द्वारा दाखिल विद्यार्थियों का विवरण विभागीय पोर्टल पर एक से 30 अप्रैल तक दर्ज कराना आवश्यक होगा। दाखिला अवधि में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संबंधित विद्यालयों में विभागीय नामिनी नियुक्त करेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी, सरकारी स्कूल के प्राचार्य, मुख्याध्यापक, पीजीटी या अध्यापक में से किसी को भी यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। सरकारी स्कूल से पास होना चाहिए छात्र चिराग योजना के तहत केवल वही छात्र निजी स्कूल में दाखिले के पात्र होंगे, जिन्होंने वार्षिक परीक्षा सरकारी विद्यालयों से उत्तीर्ण की हो। जिस खंड में पढ़ रहे हैं, उसी के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में उपलब्ध सीटों पर दाखिले के लिए पात्र होंगे। पिछले सरकारी स्कूल से स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट (एसएलसी) लिया जाना अनिवार्य होगा। परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। फार्म-6 भरने वाले स्कूलों को ही सरकार फीस की प्रतिपूर्ति करेगी।

पंचकूला में देर रात पथराव, कई घरों के शीशे तोड़े, कार्रवाई के लिए पुलिस पर लापरवाही का आरोप

पंचकूला। रैली गांव में वीरवार रात शरारती तत्वों ने जमकर हंगामा किया। पत्थर बरसाए, जिससे कई घरों के शीशे टूट गए। शोर सुनकर सुनकर लोग घरों से बाहर निकले तो सभी शरारती तत्व धमकी देकर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर कार्रवाई के नाम पर पल्ला झाड़ने का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि घटना के बाद दहशत का माहौल है और बच्चे-महिलाएं डरी हुई हैं। रात को जब डायल 112 पर कॉल की, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। पुलिसकर्मियों ने केवल यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि संबंधित लोग पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराएं, जिसके बाद वे वापस लौट गए। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से गांव का माहौल खराब हो रहा है और यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो काफी नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

खेम राज सुंदरियाल को पद्मश्री सम्मान, पानीपत के हाथकरघा उद्योग के संरक्षक बने गौरव

चंडीगढ़ : भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित पद्म पुरस्कार 2026 की सूची में हरियाणा के पानीपत निवासी श्री खेम राज सुंदरियाल का नाम पद्मश्री के लिए शामिल किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें हाथकरघा बुनाई के क्षेत्र में 60 वर्षों से अधिक के असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। विशेष रूप से जामदानी और टेपेस्ट्री तकनीकों के संरक्षण, नवाचार तथा हजारों बुनकरों को प्रशिक्षण देकर रोजगार सृजन में उनके महत्वपूर्ण कार्य को मान्यता दी गई है। इस उपलब्धि पर गांधी ग्लोबल फैमिली (जीजीएफ) के महासचिव राम मोहन राय, नरेंद्र ऋषि, इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के प्रांतीय उपाध्यक्ष पवन कुमार सैनी तथा कौमी एकता मंच के संयोजक संजय कुमार सहित अन्य सदस्यों ने उनके निवास पर पहुंचकर हार्दिक बधाई दी। जीजीएफ से उनका 30 वर्षों का जुड़ाव रहा है। संगठन ने इसे उनके अथक परिश्रम, नवाचार और सामाजिक योगदान की सार्थक मान्यता बताया। सुंदरियाल (जन्मः 1943, उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के सुमाड़ी गांव) ने एक साधारण किसान परिवार में जन्म लिया, लेकिन खेती के बजाय बुनाई को अपना जीवन मिशन बनाया। उन्होंने 1962-64 में श्रीनगर गढ़वाल के सरकारी आईटीआई से हैंडलूम टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा पूरा किया। 1966 में वीवर्स सर्विस सेंटर (कपड़ा मंत्रालय) में शामिल होने के बाद वे पानीपत पहुंचे, जहां उन्होंने विभाजन के बाद आए प्रवासी बुनकरों के साथ काम किया। पानीपत में आने पर उन्होंने स्थानीय बुनकरों को केवल साधारण खेस, बेडशीट और पर्दे बनाने से आगे बढ़ाया। जामदानी और टेपेस्ट्री तकनीकों को पुनर्जीवित किया, पॉलिएस्टर यार्न का उपयोग शुरू किया, रंगाई में सुधार लाए और नए डिजाइन विकसित किए। इससे पानीपत का हाथकरघा उद्योग निर्यात हब बन गया। उन्होंने हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों के हजारों अप्रशिक्षित बुनकरों को प्रशिक्षित किया। सेवानिवृत्ति के बाद स्थापित सहकारी समिति आज भी 25 से अधिक बुनकरों को वार्षिक प्रशिक्षण और रोजगार दे रही है, जिससे कुल 1000 से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने एम.एफ. हुसैन जैसी हस्तियों की पेंटिंग्स को टेपेस्ट्री में उतारा और पानीपत खेस को नए रूप दिए। उनका मानना है, "कार्य ही सबसे बड़ा धर्म है।" इस सम्मान से पानीपत के 700 वर्ष पुराने हाथकरघा उद्योग के उन सभी बुनकरों को भी श्रद्धांजलि दी गई है

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, इन शहीद सैनिकों के बच्चों को 8 हजार रुपए महीना मिलेंगे, नोटिफिकेशन जारी

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के शहीदों तथा युद्ध या ऑपरेशन में हताहत सैनिकों के बच्चों के लिए एक नई छात्रवृत्ति योजना को लागू कर दिया है। बच्चों को 5,000 से 8,000 रुपए महीने तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसे लेकर सैनिक और अर्धसैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया गया है। बता दें कि नायब सैनी ने जून 2025 में हुई कैबिनेट मीटिंग में युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति की योजना को मंजूरी

दी थी। अब इसका नोटिफिकेशन जारी कर इसे लागू किया गया है। सीएम सैनी ने विधानसभा चुनावों से पहले जारी अपने संकल्प पत्र में इसका वादा किया था। 96000 रुपए साल तक का प्रावधान नोटिफिकेशन के मुताबिक कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को प्रति वर्ष 60,000 रुपए मिलेंगे। जबकि ग्रेजुएशन के छात्रों को प्रति वर्ष 72,000 रुपए मिलेंगे। पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे छात्रों के लिए छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 96,000 रुपए निर्धारित की गई है। इन सैनिकों के बच्चों को ही मिलेगा योजना का लाभ युद्ध, आईईडी विस्फोट, आतंकवादी हमले, सीमा झड़पें, हृदय गति रुकना, हवाई दुर्घटना, समुद्र में मृत्यु, आंतरिक सुरक्षा कर्तव्य के दौरान, प्राकृतिक आपदाएं और बचाव अभियान में प्रभावित सैनिकों के बच्चों को योजना का लाभ मिलेगा। इनके लिए असाधारण साहस और निर्णय लेने की क्षमता की आवश्यकता होती है। वहीं पॉलिसी में यह प्रावधान है कि मृतक कर्मचारी को सेवा में शामिल होने के समय हरियाणा का निवासी होना चाहिए। चाहे उसका वर्तमान आवासीय पता कुछ भी हो।

विदेश में बैठे गैंगस्टरों द्वारा करवाई जा रही थी अपने गुर्गों को हथियारों की सप्लाई, रोहतक से 2 युवक हथियार सहित काबू

रोहतक : गैंगस्टरों की कमर तोड़ने में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जिसमें हथियार सप्लाई करने वाले दो युवकों को 15 अवैध पिस्तौल व 34 जिंदा कारतूस तथा तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है। विदेश से गैंग ऑपरेट कर रहे गैंगस्टर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए यह हथियार सप्लाई करवा रहे थे। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ करने में जुटी हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए हथियारों की एक बड़ी खेप गैंगस्टर के गुर्गों के पास पहुंचने वाली है, जिसके चलते पुलिस ने आउटर बायपास रोड स्थित जलेबी चौक पर नाकेबंदी कर रखी थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार दो युवक पिठ्ठू बैग लिए हुए थे। पुलिस ने तुरंत उनको राउंडअप किया और जब जांच की गई तो उनके बैग से 15 अवैध हथियार बरामद हुए जिनके साथ 34 जिंदा कारतूस भी थे। गुर्जर गैंग से संबंध रखते हैं दोनों आरोपियों की पहचान कुरुक्षेत्र के रहने वाले रमन व पानीपत के रहने वाले रविंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि यह दोनों किसी गुर्जर गैंग से संबंध रखते हैं और सभी हथियार भाऊ गैंग के गुर्गों को सप्लाई करने थे। रोहतक एसपी सुरेंद्र भोरिया ने चेतावनी दी है कि अपराधी घटना को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो भी अपराध करने की मंशा रखते हैं उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वह जनता से भी अपील करते हैं कि अगर इस तरह की कोई सूचना उन्हें मिलती है तो पुलिस को तुरंत दें। उनका नाम पता भी गुप्त रखा जाएगा।

कमांडो काजल हत्याकांड में नया खुलासा: पति के कई राज जानती थी पत्नी, इसी डर के चलते की थी हत्या

गन्नौर : दिल्ली पुलिस में तैनात बड़ी गांव की कमांडो काजल हत्याकांड में नए खुलासे सामने आए हैं। काजल के परिवार ने आरोप लगाया है कि पति अंकुर को अपने अवैध कामों के उजागर होने का डर था। इसी कारण उसने काजल की हत्या कर दी। परिवार के अनुसार हत्या वाली रात पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था, जिसकी जानकारी काजल ने फोन पर अपने भाई निखिल को दी थी। निखिल ने बताया कि 22 जनवरी की रात काजल बेहद भावुक थी। उसने अपने करियर, कर्ज, आर्थिक दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियों और ससुराल

में चल रहे तनाव को लेकर विस्तार से बातचीत की थी। उसने बताया कि शादी से पहले उसने 10 लाख रुपये का लोन लिया था, जिसमें से पांच लाख रुपये पति को दे दिए थे। देवर की शादी के लिए 15 लाख रुपये की ज्वेलरी और कार की किस्त भी वही भर रही थी। पति अंकुर के कई राज जानती थी काजल भाई निखिल ने दावा किया कि उसकी बहन काजल अपने पति अंकुर के कई राज जानती थी। वह मजाक में कह देती थी कि मेरठ कांड से तो बच गए, लेकिन अगर उसने राज उगल दिए तो मुश्किल हो जाएगी। मां मीना ने बताया कि अंकुर और उसका दोस्त रुड़की में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर एक केंद्र चलाते थे, जिस पर पेपर लीक और एक व्यक्ति की मौत के आरोप लगे थे। न बातों से अंकुर में डर बैठ गया था। आरोप है कि इसी डर के चलते अंकुर ने सिर में डंबल मारकर काजल की हत्या कर दी। रंग-रूप को लेकर मारते थे ताने वहीं परिवार वालों ने बताया कि काजल ने कॉलेज समय के मित्र अंकुर से प्रेम विवाह किया था

पानीपत में ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट से गिरी दीवार, बुरी तरह झुलसे 11 लोग

पानीपत : पानीपत जिले के गांव शेरा में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। जहां एक बिजली ट्रांसफार्मर में हुए भीषण धमाके ने परिवार को अपनी चपेट में ले लिया। गांव स्थित 'चौधरी लेयर पोल्ट्री फार्म हाउस' के पास लगे ट्रांसफार्मर में अचानक जोरदार ब्लास्ट हो गया। हादसे में महिलाओं, बच्चों समेत 11लोग बुरी तरह झुलसे हैं। धमाका इतना भयानक था कि साथ लगती हैचरी की मजबूत दीवार गिर गई। इस हादसे में दीवार के पास सो रहा एक ही परिवार के चार सदस्य मलबे के नीचे दबकर घायल हो गए। साथ ही ज्वलनशील पदार्थ की चपेट में भी आ गए। धमाके की गूंज काफी दूर तक सुनाई दी। आवाज सुनते ही हैचरी के केयरटेकर और आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां का मंजर देखकर हर कोई दंग रह गया। हादसे के तुरंत बाद सभी घायलों को लहूलुहान हालत में पास के मतलौडा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें पानीपत के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया।

लॉरेंस बिश्नोई इंटरव्यू के बाद कितनी शूटिंग और हत्याएं हुईं? एचसी ने पंजाब डीजीपी दिया हलफनामा दायर करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कुख्यात गैंगस्टर सॉरिंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू के बाद पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए कड़ा रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपराध और अपराधियों को जिस तरह खुलेआम महिमामंडित किया जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है और इससे आम जनता में कानून का डर खत्म होता नजर आ रहा है। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव स्वयं अदालत में पेश हुए। कोर्ट ने डीजीपी से कहा कि वे यह समझ सकते हैं कि आखिर उन्हें व्यक्तिगत रूप से तलब क्यों किया गया। न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह कोई पहला मामला नहीं है, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां दिनदहाड़े, हजारों लोगों की मौजूदगी में शूटर हत्या कर फरार हो जाते हैं, जबकि मौके पर पुलिस भी मौजूद रहती है। इसके बाद इन अपराधों को इंटरनेट मीडिया पर ग्लोरीफाई किया जाता है, जो स्थिति को और भयावह बनाता है।हाईकोर्ट ने सवाल उठाया कि पुलिस थाने के भीतर लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू कैसे हुआ और अपराधियों के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए कि वे बेखौफ होकर गोलियां चलाकर भाग जाते हैं। लॉरेंस बिश्नोई इंटरव्यू के बाद कितनी हुई शूटिंग और हत्याएं हुईं? पंजाब डीजीपी को हाई कोर्ट ने रिकॉर्ड दायर करने का दिया निर्देश एक हफ्ते में

दाखिल करें हलफनामा अदालत ने डीजीपी को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल कर बताया जाए कि इंटरव्यू सामने आने के बाद शूटिंग और हत्याओं के कितने मामलों में अपराधियों की पहचान की गई है, उनमें कितने गिरफ्तार या मुठभेड़ में निष्क्रिय किए गए हैं और कितने अभी भी फरार हैं। साथ ही फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी पूरा विवरण देने को कहा गया है। फिरौती के बढ़ते मामलों पर कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि एक्सटार्शन अब एक तरह की ह्लइंडस्ट्रीह्व बन चुका है। अदालत ने निर्देश दिया कि डीजीपी यह जानकारी दें कि कितनी फिरौती काल्स आईं, कितनी रकम वसूली गई, उसमें से कितनी राशि बरामद हुई और फिरौती की रकम की मनी ट्रेल खोजने के लिए क्या कार्रवाई की गई। ऑपरेशन प्रहार के तरत तीन हजार गिरफ्तारियां डीजीपी ने अदालत को बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत अब तक करीब 3000 गिरफ्तारियां की गई हैं और इस संबंध में एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस की माडर्नाइजेशन पर 297 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वर्तमान में पंजाब में करीब 88 हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं और 6000 नई भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। गैंगस्टरों का महिमामंडन करने वाले हजारों वीडियो सोशल मीडिया से हटवाए जा चुके हैं। हाईकोर्ट ने वीआईपी सुरक्षा में तैनात पुलिस बल का ब्योरा भी मांगा और स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में किसी इलाके में पुलिस की मौजूदगी के बावजूद हत्या होती है और आरोपी फरार हो जाते हैं, तो संबंधित एसएसपी की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई व्यापक जनहित में कर रही है, ताकि पंजाब के आम लोगों का कानून पर भरोसा बना रहे और यह धारणा न बने कि राज्य गैंगस्टर स्टेट की ओर बढ़ रहा है।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच आज होगा पांचवां और अंतिम टी20

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसपर कोई दबाव भी नहीं रहेगा। भारतीय टीम को चौथे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम अपनी इस कमजोरी को इस मैच में दूर करना चाहेगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा रहा है पर सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक सीरीज में असफल रहे हैं। सैमसन अब अपने घरेलू मैदान पर बड़ी पारी खेलकर अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करना चाहेंगे। इसी कारण सभी की नजरें उनपर रहेंगी। वहीं अगर सैमसन इस मैच में रन नहीं बना पाते हैं तो विश्कप में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। इससे पहले चौथे टी20 मैच में भारतीय टीम ने पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया था और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई। भारतीय टीम ये मैच हार गयी है। ऐस में अंतिम मैच में एक बार फिर गेंदबाजी संयोजन में बदलाव किया जा सकता है। इस मैच में एक बार फिर रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को अवसर मिल सकता है। ऑलराउंडर अक्षर पटेल नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं उन्हें भी फिट होने पर इस मैच में जगह मिल सकती है।

अब तक सीरीज में किये प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम इस सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी इस मैच ो जीतकर विश्वकप से पहले अपनी लय और मनोबल को बढ़ाना चाहेगी। , पिछले मैच में उसके गेंदबाज और बल्लेबाज सफल रहे थे जिससे उसका हौंसला बढ़ेगा। विशाखापत्तनम में भारतीय टीम के केवल शिवम दुबे ही कीवी गेंदबाजों के सामने टिक पाये थे। यहां के मैदान की बात करें तो

इसमें बड़े स्कोर बने हैं। भारतीय टीम ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है। वहीं मेहमान टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा, हम जानते हैं कि भारतीय टीम को हराने के लिए क्या करने की जरुरत है। ऐसे में यहां एक रोमांचक मुकाबला होना तय है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से भी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहतर हुई है। टीम को हालांकि अपनी गेंदबाजी बेहतर करनी होगी। इस मैच में कीवी टीम फिट होने पर अपने मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को भी शामिल कर सकती है।

टीम इस प्रकार है

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह , वरुण चक्रवर्ती

न्यूजीलैंड = मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

ऑस्ट्रेलियाइ ओपन : गैडेकी और पीयर्स ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न (एजेंसी)। स्थानीय खिलाड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। गैडेकी और पीयर्स की जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लाडेनोविक और मैनुअल गिनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराया। गैडेकी और पीयर्स साल 1988-89 में जाना नोवोत्ना और जिम पुघ के बाद मिश्रित युगल खिताब बरकारार रखने वाली पहली जोड़ी बन गईं है। ये जोड़ी साल 1963-64 में मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर के बाद अपने घरेलू स्लैम में लगातार खिताब जीतने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी है। गैडेकी ने ट्रॉफी के एक समारोह में इस जीत पर खुशी जताई है।

इस जीत के साथ ही पीयर्स ने तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में स्टॉर्म सैंडर्स के साथ अमेरिकी ओपन भी जीता था। वहीं उन्होंने साल 2017 में फिनलैंड के हेनरी कोंटिनेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल जीता था। इसके अलावा मेथ्यू एब्डेन के साथ जोड़ी बनाकर 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। दूसरी ओर ये गैडेकी का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने साल 2025 में पीयर्स के साथ मेलबर्न पार्क में जीत हासिल की थी।

डिकॉक के शतक से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीजी को सात विकेट से हराया

सुपरस्पोर्ट पार्क (एजेंसी)। क्विंटन डिकॉक की शतकीय पारी की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 221 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीक ने डिकॉक की आक्रामक पारी की सहायता से 17.3 ओवर में ही 225 रन बनाकर हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस जीत के साथ ही 220 से ज्यादा रनों का सबसे तेजी से पीछा करने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इससे पहले कोई भी टीम इतने कम ओवरों में इतना स्कोर नहीं बना पायी है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये दूसरी बार है जब दक्षिण अफ्रीका की टीम इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर पायी है। साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ 259 रन के लक्ष्य का पीछा कर जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीका की इस जीत के हीरो डिकॉक रहे। डिकॉक ने 49 गेंदों में 10 छक्के और 6 चौके लगाकर 115 रन बनाये। डिकॉक ने पारी की शुरुआत के साथ ही हमले शुरु कर दिये। उनका रेयान रिकेल्टन ने भी नाबाद 77 रन बनाकर अच्छा साथ दिया। उन्होंने केवल 36 गेंदों में तीन छक्के और 9 चौके लगाकर 77 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिकॉक और रिकेल्टन के बीच 162 रन की साझेदारी हुई। ये इस पारी में किसी भी विकेट के लिए दक्षिण अफ्रीका की ओर से चौथी सबसे बड़ी पार्टनरशिप का रिकॉर्ड है. डिकॉक का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा शतक है! मैच के बाद डिकॉक ने बताया कि 44 गेंदों में यह शतक उन्होंने उधार लिए बल्ले से बनाया। डिकॉक ने कहा, ' वह अपना बल्ला घर पर ही भूल गये थे। इसके बाद उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस से बल्ला मांगा था।' डिकॉक ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक ले लिया था। इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम ने ब्रैंडन किंग के 49 और सिमरन हेटमायर के 75 रनों की सहायता से दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में ही 126 रन की मजबूत साझेदारी बनायी। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड ने 24 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से स्पिनर केशव महाराज ने 4 ओवर में 2 विकेट लेकर 22 रन दिए।

अंडर-19 विश्व कप : भारत-पाकिस्तान के सुपर सिक्स मुकाबले से तय होगी सेमीफानल की टीमें

बुलवायो (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 विश्वकप सुपर सिक्स मुकाबले में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच एक फरवरी को यहां के क्रीस स्पोर्ट्स क्लब में मुकाबला होगा। इसमें जीत के साथ ही दोनो ही टीमें सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगी। इस प्रतियोगिता के दूसरे दौर में क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों में से पांच टीमें सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप 1 से ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज जबकि जबकि ग्रुप 2 से भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान ग्रुप 2 सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल हैं। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमें छह-छह अंक लेकर शीर्ष पर हैं पर बेहतर रन रेट के कारण भारतीय टीम पहले जबकि इंग्लैंड दूसरे नंबर पर है। पाकिस्तान चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

अगर भारतीय टीम जीतती है या मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता है तो पाकिस्तान टीम पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएग। वहीं अगर पाकिस्तान बड़ी जीत हासिल करता है, तो भारतीय टीम के भी बाहर होने की संभावना है। हालांकि, अगर उनकी जीत का अंतर बहुत बड़ा नहीं होता, तो भारत और इंग्लैंड दोनों ही क्वालीफाई कर जाएंगे। ग्रुप 2 की तीनों दावेदार टीमों के सुपर सिक्स चरण में अभी एक-एक मैच होना है। ऐसे में इंग्लैंड का मुकाबला न्यूजीलैंड से 30 जनवरी को होगा। भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल की दौड़ में आगे हैं, वहीं पाक की संभावनाएं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच के परिणाम पर निर्भर रहेंगी। अगर इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर भारतीय टीम पाकिस्तान को हराया देती है या बारिश के कारण मैच रद्द होता है तो भी इंग्लैंड नॉकआउट में पहुंच जाएगी। वहीं पाकिस्तान के पास भी अवसर हैं पर लेकिन इसके लिए उन्हें बड़ी जीत हासिल करनी होगी। वहीं अगर इंग्लैंड कीवी टीम से हार जाती है तो इंग्लैंड के नेट रनरेट में गिरावट आएगी और ऐसे में उनहें भारत और पाक मैच के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। ऐसे में पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड हो पीछे छोड़ सकती है।

एमबापे के दो गोल के बावजूद हारा रियाल मैड्रिड, बार्सिलोना आगे बढ़ा

लंदन । स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे के दो गोल के बावजूद रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में बेनफिका से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच से पहले रियाल मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर था लेकिन अब वह नौवें स्थान पर खिसक गया जो अंतिम 16 में सीधे प्रवेश पाने से एक स्थान नीचे है। बेनफिका की तरफ से यूक्रेन के गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में गोल किया। इससे बेनफिका गोल अंतर के आधार पर 24वें स्थान पर पहुंच गया और उसने प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। अनातोली ने जब गोल किया तब रियाल मैड्रिड नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे कुछ मिनट पहले ही राउल असेंसियो और रोड्रिगो को लाल कार्ड दिखाए गए थे। स्पोर्टिंग लिस्बन ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की, जिससे रियाल मैड्रिड शीर्ष आठ से बाहर हो गया। स्पोर्टिंग ने अप्रत्याशित रूप से लिवरपूल, टॉटेनहम, बार्सिलोना, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के साथ शीर्ष आठ में जगह पक्की कर ली। तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने कैरात अल्माटी को 3-2 से हराकर लगातार आठवीं जीत दर्ज कीं। वह और दूसरे स्थान पर काबिज बायर्न म्यूनिख पहले ही मार्च में शुरू होने वाले राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए थे।

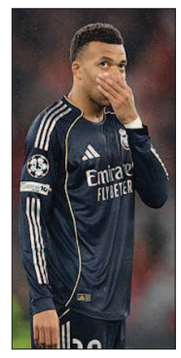

सीमित ओवरों के क्रिकेट में जगह बनाना चाहते हैं सरफराज

मुंबई । बल्लेबाज सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। सरफराज का सपना सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में जगह बनाना है। उन्हे अब तक टेस्ट क्रिकेट में कुछ अवसर मिले जिसमें उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके बाद भी उन्हें बाहर कर दिया गया। अब इस क्रिकेटर का लक्ष्य अपने प्रदर्शन से वापसी करना है। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन और फिटने को बेहतर करने पर ध्यान दे रहे हैं। साथ ही कहा कि वह भारतीय टीम के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और उसी को देखते हुए तेजी से रन बनाने पर ध्यान दे रहे हैं।' आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम में शामिल किये जाने से भी वह उत्साहित हैं। साथ ही अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्हें धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से भी खुशी हुई है. इस बल्लेबाज ने कहा, 'मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं सीएसके के लिए खेल पाऊंगा। मेरा सपना इस पीढ़ी के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने का था।' उन्होंने कहा, 'विराट भाई के साथ मैंने आरसीबी में खेला। रोहित भाई के साथ कभी नहीं खेला था और मुझे नहीं लगा था कि मौका मिलेगा पर फिर टेस्ट टीम में उनके साथ खेला।' उन्होंने कहा, 'धोनी भाई के संन्यास के बाद लगा था कि उनके साथ खेलने का मौका नहीं मिलेगा पर नीलामी के पहले दौर में किसी के बोली नहीं लगाने के बाद सीएसके ने उन्हें शामिल किया है। जिससे उन्हें अब उनके साथ खेलने का अवसर मिल जाएगा। 'इस क्रिकेटर ने कहा , 'मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं। अतीत में कुछ नहीं कर सकता और मुझे नहीं पता कल क्या होगा।' घरेलू क्रिकेट में कुछ समय तक उनकी फॉर्म ठीक नहीं थी, लेकिन उन्होंने धैर्य रखा, अपनी फिटनेस और खेल पर काम किया जिससे अब वह फिर से रन बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: कार्लोस अल्काराज ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। इस तरह से 22 साल के अल्काराज चारों ग्रैंड स्लैम पर प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। अब उनका लक्ष्य करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना होगा।

अल्काराज को पांव में ऐंठन और खिंचाव के कारण पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में वह पांच घंटे 27 मिनट में 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-7 (4), 7-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे। स्पेन के खिलाड़ी अल्काराज ने अच्छी शुरुआत की लेकिन पहले दो सेट जीतने के बाद वह अगले दो सेट में टाइब्रेकर में हार गए। ज्वेरेव पांचवें और निर्णायक सेट में एक समय मैच के लिए सर्विस कर रहे थे लेकिन अल्काराज ने ब्रेक प्वाइंट लेकर वापसी की और फिर इसके बाद जर्मनी के अपने प्रतिद्वंद्वी को मौका नहीं दिया।

अल्काराज का फाइनल में मुकाबला दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर या 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता नोवाक जोकोविच से होगा, जो 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अल्काराज ने जिस तरह से शुरुआत की थी उससे लग रहा था कि वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे लेकिन तीसरे सेट के नौवें गेम में वह लंगड़ाने लगे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में कोई समस्या है।

जब अपने प्रतिद्वंद्वी को इलाज के लिए तीन मिनट का ब्रेक दिया गया, तो ज़्वेरेव स्पष्ट रूप से परेशान दिखे। तब तीसरी वरीयता प्राप्त यह खिलाड़ी टूर्नामेंट के एक अधिकारी से बात कर रहा था। अल्काराज ने इसके बाद 6-5 से बढ़त बना दी जिसके बाद उन्हें फिर से अपने पांव की मालिश करवानी पड़ी। ज्वेरेव हालांकि इस सेट को टाइब्रेकर तक खींचने में सफल रहे जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन ज्वेरेव टाइब्रेकर में फिर से कामयाब रहे और इस तरह से उन्होंने मैच को बराबरी पर ला दिया।

चार घंटे से अधिक का समय बीतने के बाद मैच पांचवें सेट में पहुंचा। अल्काराज ने पांचवें सेट के पहले गेम में अपनी सर्विस गंवा दी। इस सेट के छठे गेम में रोमांच तब चरम पर पहुंच गया जब अल्काराज ने ड्रॉप शॉट को लेने के लिए दौड़ लगाई और पूरी गति से स्लाइड करते हुए फोरहैंड विनर शॉट लगाया। इससे दर्शक खुशी से झूम उठे। अल्काराज ने आखिर में पांचवें सेट में 5-4 पर ज़्वेरेव की सर्विस तोड़ी और फिर पहले मैच प्वाइंट को भुनाकर फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की ईशारानी बरुआ थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की ईशारानी बरुआ ने चीनी ताइपे की शटलर सुंग को हराकर थाईलैंड मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। बैडमिंटन रैंकिंग में 48वें स्थान पर काबिज 22 वर्षीय भारतीय शटलर ने गुरुवार को खेले गये मुकाबले में 34वें स्थान पर काबिज ताइपे की प्रतिद्वंद्वी सुंग को 21-13, 14-21, 21-14 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में अगले दौर में जगह बनाई। पहला गेम बेहद करीबी रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ी 11-11 के स्कोर पर बराबरी पर थे, जिसके बाद भारतीय शटलर ने 14-13 की बढ़त बना ली। इसके बाद ईशारानी ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सुंग ने वापसी का प्रयास किया, जो एक बार फिर 13-13 के स्कोर तक बराबरी पर रहा। इस बार, ताइपे की शटलर ने शानदार वापसी करते हुए अगले आठ में से सात अंक जीतकर गेम को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। हालांकि, तीसरा गेम पूरी तरह से भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के नाम रहा, जो इससे पहले 2023 गुवाहाटी मास्टर्स में सुंग से हार गई थी। इससे पहले दोनों के बीच केवल एक ही मुकाबला हुआ था। महिला एकल के एक अन्य मुकाबले में देविका सिहाग ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-14 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। 51वीं रैंकिंग पर काबिज अनमोल खरब को महिला एकल मुकाबले में हुआंग यू-सुन से 10-21, 21-19, 21-19 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला एकल खिलाड़ी श्रीयांशी वालीशेट्टी को करुपथेवन लेटशाना ने 17-21, 22-20, 19-21 से हराया।

आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाया पीसीबी का मजाक, हम विश्वकप में उसके जगह लेने तैयार

नई दिल्ली । टी20 विश्वकप क्रिकेट में भाग लेने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक फैसला नहीं किया है हालांकि उसने अपनी टीम घोषित कर दी है। पीसीबी ने कहा था कि वह इस टूर्नामेंट से बाहर भी रह सकता है। इसी को लेकर अब आइसलैंड क्रिकेट ने पीसीबी पर व्यंग्य कसा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है, तो वे उसकी जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें ये भी कहा है कि अगर 2 फरवरी तक फैसला हो जाए तो वे तत्काल ही श्रीलंका पहुंच सकते हैं। पाक को चिढ़ाते हुए आइसलैंड क्रिकेट ने केफ्लाविक से कोलंबो तक की यात्रा योजनाओं का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। साथ ही इस पोस्ट में आखिरी समय पर बुलाए जाने पर आने वाली व्यावहारिक परेशानियों को भी मजाकिया अंदाज में दिखाया गया। यहां तक कि उन्होंने अपने ओपनिंग बल्लेबाज की 卐अनिद्रा卐 का भी जिक्र कर दिया, जिसने प्रशंसकों को पीसीबी पर हंसने का अवसर जरुर मिल गया है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के विश्वकप से नाम वापस लेने पर उसकी जगह पर स्कॉटलैंड को शामिल किया था। तब पीबीबी ने बांग्लादेश बोर्ड का समर्थन करते हुए कहा कि वह भी विश्वकप से बाहर रह सकता है।

मनप्रीत सिंह समेत तीन प्लेयर्स पर बड़ी कार्रवाई, प्रो लीग के संभावित खिलाड़ियों की सूची से किया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत तीन खिलाड़ियों को प्रो लीग के आगामी सत्र से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर के फैसला पर भले ही कइयों को हैरानी हुई हो लेकिन सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि किसी भारतीय खिलाड़ी के सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों का हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के (412) रिकॉर्ड की बराबरी से रोकने के लिए मनप्रीत को बाहर किया गया है।

मनप्रीत इस रिकॉर्ड से एक मैच दूर हैं। टीम के करीबी सूत्रों ने हालांकि बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सात से दस दिसंबर 2025 के बीच दो टेस्ट और एक नुमाइशी मैच खेले थे। सूत्रों ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जब एक खिलाड़ी टीम बैठक से गायब था और बाद में पता चला कि उसे मनप्रीत, दिलप्रीत और पाठक ने कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ वाली च्युइंग गम खिलाई थी जिससे वह बेहोश हो गया और पूरी रात उसे संभालना पड़ा। अगली सुबह वह टीम बैठक में भी नहीं जा सका।'

उन्होंने आगे कहा, 'खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिए बाद में माफी मांगी लेकिन टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुना दिया गया था।' यह भी पता चला है कि कोच क्रेग फुल्टोन की ओर से घटना की कोई लिखित रिपोर्ट हॉकी इंडिया को नहीं दी गई है। राउरकेला में अगले महीने होने वाले प्रो लीग के आगामी सत्र के लिए हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें कोच ने कहा कि कार्यभार प्रबंधन के लिये कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

राउरकेला में 10 से 15 फरवरी तक होने वाले FIH प्रो लीग मैचों से पहले एक से सात फरवरी तक यह शिविर आयोजित किया जाएगा। मनप्रीत की सह कप्तानी में रांची रॉयल्स टीम हॉकी इंडिया लीग के फाइनल में पहुंची थी और टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन भी काबिले तारीफ रहा जिससे उन्हें बाहर किए जाने को लेकर सवाल उठने लाजमी हैं। वहीं कृशन और दिलप्रीत ।ढ्ढरु जीतने वाली कलिंगा लांसर्स टीम का हिस्सा थे। दो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीमों के सदस्य और 33 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान मनप्रीत 15 वर्षों में पहली बार शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं बना पाए हैं।

पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का निधन

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का आज सुबह निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीनिवासन आज सुबह अपने आवास पर अचानक ही बेहोश हो गये। उन्हें तत्काल करीब के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रधानमंत्री, खेलमंत्री के अलावा भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों और खिलाड़ियों ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख की इस घड़ी में उषा से फोन पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। प्रधानमंत्री ने इस अपूरणीय क्षति पर शोक व्यक्त करते हुए परिवार को धैर्य और शक्ति देने की कामना की। गौरतलब है कि 67 साल के श्रीनिवासन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल (सीआईएसएफ) में उप अधीक्षक रहे थे। इस दंपति का एक बेटा है, जिसका नाम उज्ज्वल है। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने उषा और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। साथ ही ईश्वर से इस कठिन समय को सहने की शक्ति परिवार देने की प्रार्थना की है। उषा दिग्गज एथलीट रही है। एशियाई खेलों सहित कई अन्य स्पर्धाओं में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते हैं।

मनोरंजन जगत में श्रिया सरन के 25 साल पूरे, साझा किए अनुभव

मनोरंजन जगत में जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन ने अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने इतने लंबे करियर में इंडस्ट्री में आए कई बड़े बदलावों को महसूस किया है। श्रिया सरन ने इस मौके पर अपने सफर, तकनीकी बदलावों और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब फिल्म सेट्स का माहौल आज से बिल्कुल अलग था। उस समय इस्तेमाल होने वाली लाइट्स बेहद तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार कलाकारों के लिए असहज स्थिति पैदा कर देती थीं। कैमरे भारी हुआ करते थे और तकनीक भी सीमित थी। शूटिंग के दौरान कलाकारों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था और कैमरे की आवाज सुनकर ही यह अंदाजा लगता था कि सीन शुरू हो चुका है। उस दौर में काम करना ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। उन्होंने कहा कि आज तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को पूरी तरह बदल दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स का इस्तेमाल होता है, जिससे आंखों पर दबाव नहीं पड़ता।
कैमरे पहले से कहीं ज्यादा हल्के और एडवांस हो गए हैं, जिससे शूटिंग न सिर्फ आसान बल्कि तेज भी हो गई है। इन बदलावों का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि कलाकार अब तकनीकी परेशानियों से हटकर अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से ज्यादा आरामदायक हो गया है। श्रिया सरन ने इंडस्ट्री के वर्किंग सिस्टम में आए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले कलाकारों को केवल एक मैनेजर के जरिए काम संभालना पड़ता था, लेकिन अब एजेंसियों का दौर है। आज कलाकारों को कई लोगों से तालमेल बैठाना पड़ता है। नई पीढ़ी के लोग नई सोच और नई जानकारी के साथ आते हैं, जो पुरानी पीढ़ी के लिए भी सीखने का मौका होती है। ऐसे में समय के साथ खुद को बदलना और नई चीजों को अपनाना बेहद जरूरी हो गया है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव को याद करते हुए श्रिया ने कहा कि इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी सब कुछ अच्छा लगता है, तो कभी इंसान खुद को अकेला और कमजोर महसूस करता है। ऐसे समय में अपने आसपास सही और सकारात्मक लोगों का होना बहुत जरूरी होता है, जो आपको संभालें और आगे बढ़ने की ताकत दें।

माही विज फिर चर्चा में

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई नई सीरीज़ या शो नहीं, बल्कि अपनी बेटी तारा के लिए किया गया खास तोहफा है। पति और अभिनेता जय भानुशाली से तलाक के बाद माही ने जिस मजबूती और आत्मनिर्भरता के साथ अपनी जिंदगी को आगे बढ़ाया है, वह कई महिलाओं के लिए मिसाल बन चुकी है। तलाक के बाद माही को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हर आलोचना का जवाब अपनी उपलब्धियों से दिया। पहले खुद के लिए नई कार खरीदी, फिर अपने नए घर की झलक फैंस के साथ साझा की और अब उन्होंने अपनी नन्हीं बेटी तारा को करीब 50 लाख रुपये की लग्जरी मिनी कूपर कार गिफ्ट कर सबका ध्यान खींच लिया है। बताया जा रहा है कि यह कार तारा का सपना थी, जिसे माही ने पूरा किया। सोशल मीडिया पर कार के साथ तस्वीरें वायरल होते ही फैंस माही की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें 'स्ट्रॉन्ग सिंगल मदर' और 'इंस्पिरेशन' बताया।

रानी ने कहा था, मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे: रणबीर कपूर

पूरा भारतीय फिल्म उद्योग एकजुटता के साथ अभिनेत्री रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। यह जश्न रानी की चर्चित और दमदार फ्रेंचाइज़ी 'मर्दानी' की तीसरी फिल्म 'मर्दानी 3' के साथ मनाया जा रहा है, जो इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है। इस जश्न में शामिल होकर रणबीर कपूर को भी बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। रणबीर और रानी का रिश्ता सिर्फ सह-कलाकारों का नहीं, बल्कि सम्मान, प्रेरणा और भरोसे से भरा रहा है। रानी, रणबीर कपूर की डेब्यू फिल्म 'सांवरिया' में उनकी को-स्टार थीं और करियर की शुरुआत में उन्होंने रणबीर को जो आत्मविश्वास दिया, उसे वह आज भी नहीं भूले हैं। रणबीर कपूर ने रानी मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि 'सांवरिया' के दौरान रानी पहली शख्स थीं जिन्होंने उनसे कहा था कि अगर वह मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे।
रणबीर के मुताबिक, उस समय जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे और भरोसे की जरूरत थी, रानी के शब्दों ने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि वह रानी को सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी बहुत करीब से जानते हैं। उनकी गरिमा, आकर्षण और अभिनय प्रतिभा ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है। रणबीर का मानना है कि रानी मुखर्जी भारतीय सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें पीढ़ियां याद रखेंगी।
उन्होंने कहा कि रानी की 30 साल की आइकॉनिक विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे इंडस्ट्री का एक साथ आना वाकई खास है। रानी ने अपने किरदारों और फिल्मों के चयन से न सिर्फ खुद को अलग पहचान दी, बल्कि स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया भी बदला है। रणबीर ने यह भी कहा कि रानी का सिनेमा हमेशा लोगों को खुशी देने और समाज को कुछ सोचने पर मजबूर करने वाला रहा है। इस बीच, रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' ने इंटरनेट पर तहलका मचा रखा है। यह फिल्म महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे को फिर से मजबूती से उठाती है। इस बार कहानी देशभर में कम आय वर्ग से आने वाली 8-9 साल की मासूम बच्चियों के अपहरण के भयावह सच को सामने लाएगी।

'बॉर्डर 2' देखने का अमीषा पटेल को बेसब्री है इंतजार

हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने 'बॉर्डर 2' को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं और खास तौर पर तारा सिंह जैसे आइकॉनिक किरदार की झलक देखकर उन्हें काफी रोमांच महसूस हो रहा है। अमीषा ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी समेत सभी कलाकारों ने शानदार काम किया होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह फिल्म और उसके गानों को बड़े पर्दे पर महसूस करने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। फिल्म की तुलना को लेकर अमीषा पटेल ने साफ राय रखी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बॉर्डर 2' नहीं देखी है, लेकिन 1997 की 'बॉर्डर' जरूर देखी है। इसके बावजूद जिस तरह से दर्शक इस नई फिल्म को पसंद कर रहे हैं, उससे साफ है कि पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने 'गदर' और 'गदर 2' का उदाहरण देते हुए कहा कि शुरुआत में दोनों फिल्मों की तुलना हुई थी, लेकिन 'गदर 2' की सफलता के बाद सभी ने माना कि वह अपने आप में एक अलग और शानदार फिल्म है।
अमीषा के मुताबिक फिल्मों की तुलना करना सही नहीं होता, क्योंकि इससे गलत धारणाएं बनती हैं और हर फिल्म को अपनी पहचान के साथ देखा जाना चाहिए। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' में नई कहानियों और नए चेहरों को शामिल किया गया है। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भारतीय सेना के जवानों के किरदार में नज़र आ रहे हैं, जबकि मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रही हैं। 23 जनवरी को रिलीज़ हुई इस फिल्म के गाने भी दर्शकों के बीच खासे लोकप्रिय हो रहे हैं और उन्हें नॉस्टेल्जिया का एहसास दिला रहे हैं। 'बॉर्डर 2' को गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले बनाया गया है।
फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। बता दें कि सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है और दर्शकों का दिल जीतने में भी सफल साबित हो रही है। 1997 में आई सुपरहिट और यादगार फिल्म 'बॉर्डर' की इस सीक्वल ने न सिर्फ पुरानी यादों को ताज़ा किया है, बल्कि नई पीढ़ी के दर्शकों को भी देशभक्ति के जज्बे से जोड़ दिया है। आम दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग तक, हर तरफ फिल्म की चर्चा और तारीफ हो रही है।

अपनी सेहत को लेकर मजेदार किस्सा सुनाया ऋतिक रोशन ने

हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता गोल्डी बहल की बर्थडे पार्टी में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन को बैसाखी के सहारे चलते देखा गया था, जिसके बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंतित हो गए थे। अब अभिनेता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी वजह साफ कर दी है। ऋतिक ने बताया कि उनके बाएं घुटने में अचानक दर्द उभर आया, जिससे चलने-फिरने में दिक्कत होने लगी। उन्होंने लिखा कि उनके शरीर के हर हिस्से में जैसे कोई 'ऑन/ऑफ' बटन लगा हो। कभी बायां पैर जवाब दे देता है, तो कभी कंधा या दायां टखना अचानक काम करने से मना कर देता है। ऋतिक ने इसे सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि एक तरह की मनोदशा भी बताया। अपने खास अंदाज में उन्होंने लिखा, 'कभी मेरे बाएं पैर को बैसाखी की जरूरत पड़ती है, तो कभी बायां कंधा और दायां टखना एक्टिव हो जाते हैं या अचानक बंद हो जाते हैं। लगता है मेरे शरीर के हर हिस्से की अपनी अलग ही मर्जी है।'
ऋतिक ने अपनी हालिया शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि एक गंभीर सीन के दौरान उनका डायलॉग था 'क्या आप डिनर के लिए घर आना चाहेंगे?' लेकिन उनकी जुबान 'डिनर' शब्द बोलने से मना कर रही थी। ऐसे में उन्होंने हर टेक में चतुराई से 'डिनर' की जगह 'लंच' कहना शुरू कर दिया, क्योंकि शुक्र था कि 'लंच' शब्द अभी भी बोला जा सकता था।
उन्होंने आगे लिखा कि पहली बार गलत शब्द निकलने पर हैरानी हुई, लेकिन जब वही गलती दोबारा हो गई तो उन्होंने सलमान खान स्टाइल में हाथ उठाकर रीटेक का इशारा किया, ताकि इसे महज एक छोटी सी चूक साबित किया जा सके। ऋतिक ने अपनी इन शारीरिक परेशानियों को हल्के-फुल्के और आत्मस्वीकृति वाले अंदाज में पेश किया, जिससे फैंस भी राहत महसूस कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते शनिवार को बैसाखी के सहारे चलते हुए उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद से ही उनके चाहने वाले परेशान थे। बता दें कि ऋतिक रोशन अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस से खुलकर जुड़ते हैं। इस बार उन्होंने अपनी सेहत से जुड़ी परेशानियों को ईमानदारी और मजाकिया अंदाज में साझा किया है।

सोहा अली ने जताया पति पर प्यार

बॉलीवुड के सबसे सादगी भरे और पसंदीदा कपल्स में शुमार सोहा अली खान और कुणाल खेमू आज अपनी शादी की 11वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर सोहा अली खान ने अपने पति कुणाल खेमू के लिए एक भावुक और प्यार से भरा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। सोहा ने अपनी शादी के सफर को याद करते हुए लिखा कि कुणाल से शादी करना उनके जीवन का सबसे अच्छा फैसला रहा है। उन्होंने पति के साथ बिताए पलों, दोस्ती, समझ और सपोर्ट को अपने रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत बताया। पोस्ट के साथ शेयर की गई तस्वीरों में कपल की शानदार केमिस्ट्री साफ झलक रही है। सोहा और कुणाल ने 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने न सिर्फ अपने प्रोफेशनल करियर में संतुलन बनाए रखा, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को भी हमेशा लाइमलाइट से दूर और सादगी से जिया। दोनों एक बेटी इनाया के माता-पिता हैं और अक्सर फैमिली मोमेंट्स सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। सोहा के इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कई लोगों ने कपल को 'रियल रिलेशनशिप गोल्स' बताया है।

फिटनेस का शानदार नमूना पेश किया अक्षरा सिंह ने

अपनी फिटनेस और मेहनत का भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने फिर शानदार नमूना पेश किया है। अभिनेत्री अपनी फिटनेस को लेकर बेहद गंभीर हैं और नियमित रूप से जिम में एक्सरसाइज करती हैं। उन्होंने अपनी कुछ नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिनमें वे अपनी टोंड और फिट बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आईं। उनकी यह फिटनेस जर्नी फैंस के लिए मोटिवेशन का स्रोत बनी हुई है। इस बार भी उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे लटकते हुए पुल-अप्स और हैंगिंग लेग रेज करती दिख रही हैं। कुछ तस्वीरों में वे ओपन जिम में एक्सरसाइज करती दिख रही हैं, तो कुछ में उनके मजबूत आर्म्स, टाइट एब्स और संपूर्ण फिट बॉडी साफ नजर आ रही है। स्पोर्ट्सवियर में उनका लुक एनर्जेटिक और आकर्षक लग रहा है। तस्वीरों को देखकर फैंस अंदाजा लगा सकते हैं कि अक्षरा फिटनेस को कितनी गंभीरता से लेती हैं। पोस्ट में उन्होंने सिर्फ एक इमोजी का इस्तेमाल किया है, लेकिन फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। अक्षरा सिंह ने सत्यमेव जयते से डेब्यू किया था और इसके बाद उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें सत्या, सरकार राज, मां तुझे सलाम, धड़कन, तबादला, सत्य, प्रेम विवाह, साथिया, दिलेर, सौगंध गंगा मैया के शामिल हैं। इसके अलावा वे टीवी शो बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में दिखाई देंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब ट्रेलर रिलीज का इंतजार है।

हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से हो गया है दूर: प्रकाश राज

नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश राज एक बार फिर से अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। उनका मानना है कि मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से दूर हो गया है, और ज्यादा से ज्यादा नकली और पैसे पर फोकस हो गया है। प्रकाश ने हिंदी सिनेमा की खुलकर आलोचना की। रिपोर्ट के अनुसार, प्रकाश ने कहा, अभी के समय में, मुझे लगता है कि मलयालम और तमिल सिनेमा बहुत अच्छी फिल्में बना रहे हैं... दूसरी ओर, हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से भटक गया है। सब कुछ सुंदर, शानदार, प्लास्टिक जैसा दिखता है, जैसा कि आप मैडम तुसाद म्यूजियम में देखते हैं। हमारे (साउथ सिनेमा) पास अभी भी दिखाने के लिए कहानियां हैं; तमिल के नए युवा डायरेक्टर दलित मद्दों पर बात कर रहे हैं और इससे बहत उम्मीद मिलती है। इंडस्ट्री ने दर्शकों के साथ अपना कनेक्शन खो दिया है।
प्रकाश राज ने आगे कहा, मल्टीप्लेक्स आने के बाद, बॉम्बे फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ मल्टीप्लेक्स के लिए फिल्में बनाने लगी, क्योंकि वे अच्छा चल रही थीं। वे उस पेज 3 कल्चर में चले गए, और इसके साथ ही ग्रामीण राजस्थान और बिहार से उनका कनेक्शन खत्म हो गया... आज, सब कुछ पैसे और दिखावे के बारे में है -- रील्स, पेज 3 कवरेज, और जोरदार सेल्फ-प्रमोशन। मुझे लगता है कि इस चक्कर में इंडस्ट्री ने दर्शकों के साथ अपना कनेक्शन खो दिया है। बता दें कि प्रकाश राज आखिरी बार हिंदी फिल्म तेरे इश्क में में दिखे थे। इस मूवी में उनके साथ धनष और कति सेनन लीड रोल में थे। इस मवी में उन्होंने धनुष के पिता का किरदार निभाया था।
प्रकाश राज अब जल्द ही पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा जना नायकन में नजर आएंगे। यह एक्टर के तौर पर विजय की आखिरी फिल्म होगी। प्रकाश राज हिंदी के अलावा कन्नड़, तमिल, मलयालम, इंग्लिश और मराठी फिल्मों के लिए काम करते हैं। वो 5 बार नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में 400 से ज्यादा फिल्में की हैं। एक्टर प्रकाश राज ने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग का दम दिखाया। प्रकाश अपनी शानदार फिल्मों जैसे सिंघम, दबंग 2 और वांटेड के लिए जाने जाते हैं। प्रकाश अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।